मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
# उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 9 अंक 76
शुक्रवार, 25 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

# यमुना एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस में आग से 9 यात्रियों की मौत, ड्राइवर-कंडक्टर गिरफ्तार

**नई दिल्ली, 24 सितम्बर।** दिल्ली से महोबा जा रही एक स्लीपर बस में बुधवार देर रात भीषण आग लगने से नौ लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बुधवार देर रात हुई इस घटना के संबंध में बस के चालक और परिचालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

प्राथमिकी के अनुसार, बस में जलने की गंध आने पर यात्रियों ने शोर मचाया और चालक से बस रोकने को कहा, लेकिन चालक और परिचालक ने कथित तौर पर ऐसा करने से इनकार करते हुए कहा, अगर मरना है तो मर जाओ, हम बस नहीं रोकेंगे। आग की लपटें उठने और बस में धुआं भरने के बाद बाहर निकलने के लिए यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। चालक और परिचालक किसी तरह मौके से भाग निकले। बस में 35 यात्री सवार थे।

अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि बस की एयर कंडीशनिंग (एसी) प्रणाली में चिंगारी निकलने या विस्फोट होने के कारण आग लगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि पंजीकरण संख्या बीआर32पीए 8647 वाली बस नयी दिल्ली के कश्मीरी गेट से महोबा जा रही थी, और इस दौरान जेवर थाना इलाके में

यमुना एक्सप्रेसवे पर उसमें आग लग गई।

कुमार ने कहा, सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी, स्थानीय पुलिसकर्मी, बचावकर्मी, जेवर टोल प्लाजा पर तैनात एक दमकल गाड़ी और चार अन्य दमकल वाहन तुरंत मौके पर पहुंचे और आग बुझायी उन्होंने बताया, इस अभियान के दौरान 20 से अधिक यात्रियों को सुरक्षित बचाया गया। जब पुलिस और अग्निशमन सेवा के कर्मचारी धुएं के बीच बस के अंदर घुसे, तो वहां नौ लोग मृत पाए गए। ऐसा लगता है कि उनकी मौत जलने या दम घुटने से हुई थी। कुमार ने बताया कि शुरूआती जांच से पता चला है कि बस की एयर-कंडीशनिंग प्रणाली में चिंगारी या धमाके की वजह से इंजन के लुब्रिकेंट ऑयल में आग लग गई होगी, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई।

अपर जिलाधिकारी (एडीएम) अजीत कुमार सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि यह घटना बुधवार रात करीब 11 बजकर 20 मिनट पर हुई। उन्होंने कहा, आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। बस में 35 यात्री सवार थे और इस घटना में नौ लोगों की मौत हो गई।

प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को विशेष वाहन से महोबा ले जाया गया। उन्होंने बताया, करीब 15 लोगों को विशेष वाहन से महोबा भेजा गया, जबकि कुछ लोग निजी वाहनों से चले गए। एक महिला अभी अस्पताल में भर्ती है और आरोग्य अस्पताल में उसका उपचार हो रहा है। सिंह ने बताया कि शवों को शवगृह ले जाया गया है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

# दिल्ली : अमेरिकी पीड़ितों से करीब 100 करोड़ रुपए ठगने वाले कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 11 गिरफ्तार

**नई दिल्ली, 24 सितम्बर।** दिल्ली पुलिस ने पीतमपुरा इलाके में चल रहे एक अवैध अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर अमेरिकी नागरिकों को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के नाम पर लगभग 100 करोड़ रुपये का चूना लगाने के आरोप में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आरोपियों ने संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) तथा अन्य अमेरिकी संघीय एजेंसियों द्वारा जारी किए गए फर्जी पत्र भेजकर पीड़ितों को डराया-धमकाया भी। अधिकारियों ने बताया कि 'इंटेलीजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटजिक ऑपरेशंस' (आईएफएसओ) इकाई ने 21 सितंबर को पीतमपुरा गांव में एक किराए के परिसर की तीसरी और चौथी मंजिल पर चल रहे कॉल सेंटर पर छापा मारा और 11 लोगों को हिरासत में लिया।

पुलिस ने परिसर से 41 लाख रुपये नकद, 29 लैपटॉप, 25 मोबाइल फोन, आठ राउटर और एक कार जब्त की। इसके बाद विशेष प्रकोष्ठ थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत 22 सितंबर को मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के नाम पर अमेरिका में पीड़ितों को निशाना बनाता था। इसके सदस्य पीड़ितों के कंप्यूटरों में 'मैलवेयर इंस्टॉल' कर देते थे, जिससे कंप्यूटर की स्क्रीन पर 'पॉप-अप' दिखाई देने लगता था। इसमें तकनीकी सहायता के लिए एक टोल-फ्री नंबर पर संपर्क करने का निर्देश दिया जाता था।

अधिकारियों ने बताया कि जब पीड़ित इस नंबर पर फोन करते थे, तो उनकी कॉल एक ऐप के जरिए पीतमपुरा कॉल सेंटर में स्थानांतरित हो जाती थी तथा कॉल सेंटर के एजेंट तकनीकी सहायता कर्मचारी बनकर यह दावा करते थे कि पीड़ित के कंप्यूटर में वायरस आ गया है या हैक हो गया है। पुलिस ने बताया कि इसके बाद पीड़ितों को एक 'सॉफ्टवेयर इंस्टॉल' करने के लिए फुसलाया जाता था, जिससे जालसाज उनके कंप्यूटर को हैक कर लिया करते थे। इसके बाद उन्हें बताया जाता था कि उनके बैंक खाते भी खतरे में हैं और उनकी कॉल अन्य आरोपियों को स्थानांतरित कर दी जाती जो बैंक अधिकारी बनकर पीड़ितों से बात करते।

# एशियन गेम्स: इंडोर नेट्स में टीम इंडिया ने बहाया पसीना, क्या श्रेयस की कप्तानी में भारत दोहराएगा पिछली सफलता?

**आइची नागोया, 24 सितम्बर।** एशियन गेम्स 2026 में अपने अभियान की शुरूआत से पहले भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने इंडोर नेट्स में जमकर अभ्यास किया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभ्यास सत्र का एक वीडियो साझा किया, जिसमें संजू सैमसन समेत कई खिलाड़ी नेट्स में पसीना बहाते नजर आए। टीम के मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण भी इस दौरान मौजूद रहे। भारतीय महिला टीम ने हाल ही में एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर अपने खिताब का सफल बचाव किया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। पुरुष क्रिकेट में भारत ने पिछली बार हांगझोऊ एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था। उस समय

ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में भारतीय टीम ने फाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ बारिश के कारण मैच रद्द होने के बाद उच्च वरीयता के आधार पर गोल्ड मेडल हासिल किया था। इस बार भारतीय पुरुष टीम की कमान श्रेयस अय्यर के हाथों में है, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे। भारतीय टीम का पहला मुकाबला किस टीम से होगा, इसका फैसला क्वालीफाइंग दौर के बाद होगा। टीम में कई अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की मौजूदगी है। श्रेयस अय्यर आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में कप्तानी कर चुके हैं और अब एशियन गेम्स में भारत को एक और स्वर्ण पदक दिलाने की कोशिश करेंगे।

एशियन गेम्स के लिए भारत की पुरुष क्रिकेट टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, विप्रज निगम, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, यश ठाकुर, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी।

# सोशल मीडिया पर रुके बाल यौन शोषण सामग्री, सुप्रीम कोर्ट ने POCSO नियमों पर मांगा जवाब

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार द्वारा ऑनलाइन बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री (CSEAM) के प्रसार को रोकने के निर्देशों को लागू करने के उपायों पर अपना जवाब दाखिल न कर पाने पर चिंता जताई और सरकार को ऐसा करने का एक आखिरी मौका दिया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और के विनोद चंद्रन की बेंच ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) और कानून और न्याय मंत्रालय को निर्देश दिया कि वे आखिरी मौके के तौर पर अपनी-अपनी रिपोर्ट दाखिल करें। कोर्ट ने मंत्रालयों से कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट के सितंबर 2024 के फैसले को लागू करने और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उरएअट के प्रसार को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए रिपोर्ट दाखिल करें। सुप्रीम कोर्ट 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस' (JRCA) की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें सोशल मीडिया इंटरमीडियरीज (मध्यस्थों) को CSEAM (बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट) की जानकारी कानून लागू करने वाली एजेंसियों को देने के निर्देशों को सख्ती से लागू करने की मांग की गई थी। बेंच ने गौर किया कि 14 अगस्त के निर्देश के बावजूद, मंत्रालयों ने अपना जवाब दाखिल नहीं किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, दुर्भाग्य से आज तक ऐसा कोई जवाब या रिपोर्ट रिकॉर्ड पर नहीं आई है। हमारे सामने का मामला बेहद गंभीर है। हम दोनों मंत्रालयों को वह जवाब/रिपोर्ट दाखिल करने का एक आखिरी

मौका देते हैं। शीर्ष अदालत ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह सितंबर 2024 के फैसले को लागू करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दे। उस फैसले में कहा गया था कि सोशल मीडिया इंटरमीडियरीज के लिए जरूरी है कि वे उरएअट से जुड़े अपराधों की रिपोर्ट 'बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण (POCSO) अधिनियम' और उसके तहत बने नियमों में बताई गई एजेंसियों को दें। बेंच ने ऐसे कंटेंट का पता लगाने और उसकी रिपोर्ट करने में इंटरमीडियरीज की तरफ से होने वाली चूक को रोकने के लिए प्रस्तावित सुरक्षा उपायों की जानकारी भी मांगी। केंद्र की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने बेंच को बताया कि सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही।इस मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी। यह अजी एक BBC रिपोर्ट के बाद दायर की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि Instagram ने CSEAM को बढ़ावा देने वाले पेड विज्ञापन दिखाए थे। इसके बाद JRCA ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म द्वारा कानूनी दायित्वों और सुप्रीम कोर्ट के पहले के निर्देशों का पालन करने पर सवाल उठाए।

इसमें कहा गया है कि मौजूदा अजी का मुद्दा किसी खास मध्यस्थ (intermediary) के कामकाज तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत में काम करने वाले सभी मध्यस्थों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर लागू होने वाले कानूनी दायित्वों के एक समान पालन से जुड़ा है। इसमें आगे कहा गया है, डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री (CSEAM) का प्रसार, प्रकाशन, प्रचार या उससे कमाई करना एक लगातार जारी रहने वाला अपराध है। यह पीड़ित बच्चों की गरिमा, निजता और शारीरिक अखंडता का उल्लंघन है और POCSO एक्ट, 2012 के मूल उद्देश्य को ही विफल करता है।

# 'वोट चोरी' के आरोपों पर कांग्रेस का प्रदर्शन, 28 सितंबर को जयपुर में जुटेंगे कार्यकर्ता

**जयपुर।** कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बृहस्पतिवार को कहा कि पार्टी कथित 'वोट चोरी' और चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं के विरोध में 28 सितंबर को जयपुर में प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि इसके बाद राज्य के विभिन्न जिलों में भी धरना-प्रदर्शन किए जाएंगे। डोटासरा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ियों और निर्वाचन आयोग के कामकाज से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों से नाम हटाने, नए नाम जोड़ने और मतों में कथित हेरफेर के जरिए चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया जा रहा है।

डोटासरा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप

लगाया और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि पार्टी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), प्रपत्र-6 में कथित बदलावों तथा निर्वाचन आयोग की आईटी व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को भी उठाएगी। उन्होंने इन मामलों की पारदर्शी ढंग से जांच कराने की मांग की। डोटासरा ने कहा कि राजस्थान में हाल में हुए नगर निकाय चुनावों में भी कांग्रेस ने पुलिस और प्रशासन के कथित दुरुपयोग, पार्षदों पर दबाव बनाने तथा चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगाए हैं।

# ओडिशा में भारी बारिश का कहर : 8,000 से अधिक लोग सुरक्षित स्थानों पर भेजे गए

**ओडिशा, 24 सितम्बर।** ओडिशा के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के चलते राज्य सरकार ने निचले और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भारी बारिश के कारण दक्षिणी जिलों में बाढ़ और भूस्खलन की आशंका के बीच राज्य सरकार ने पंचायत राज मंत्री रबी नारायण नाइक और मत्स्य मंत्री गोकुलानंद मल्लिक को क्रमशः कोरापुट और गजपति भेजा है ताकि वे स्थिति से निपटने की तैयारियों की निगरानी कर सकें।

दक्षिणी जिलों से और बारिश तथा जलभराव की खबरों के बीच परिवहन मंत्री बिभूति भूषण जेना और स्कूल एवं जनशिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड को क्रमशः गंजाम

और नबरंगपुर जाने को कहा गया है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बताया कि जेना बृहस्पतिवार शाम गंजाम पहुंचेंगे जबकि गोंड विधानसभा में प्रश्नकाल में हिस्सा लेने के बाद शुक्रवार को नबरंगपुर के लिए रवाना होंगे। उन्होंने बताया कि राहत कार्यों की निगरानी और नुकसान का आकलन करने के लिए चार वरिष्ठ अधिकारियों को भी प्रभावित जिलों में भेजा गया है। पुजारी ने कहा कि बारिश से गंजाम, गजपति, मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ और नबरंगपुर प्रभावित हुए हैं। पुजारी ने बताया कि सत्तारूढ़ भाजपा ने प्रभावित क्षेत्रों के विधायकों को अपने-अपने इलाकों का दौरा कर स्थानीय प्रशासन की मदद करने को कहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के निर्देश पर प्रशासन का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई जनहानि नहीं हो।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

### डित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती (अंत्योदय दिवस), 25 सितंबर 2026 पर विशेष

# अंत्योदय : विकसित भारत की मानवीय आधारशिला

-ललित गर्ग

भारत की विकास यात्रा आज ऐसे दौर में है, जब आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक रैंकिंग से तय नहीं होती। उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रासंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। इसलिए अंत्योदय दिवस केवल किसी महापुरुष की स्मृति का दिवस नहीं, बल्कि विकास की दिशा और उसकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है। अंत्योदय दो शब्दों से बना है-अंत्य अर्थात सबसे अंतिम और ह्यउदयह्व अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे। दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा-सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय को महज कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले जाकर मानव-केंद्रित विकास-दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है कि भारत विकास कर रहा है या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस गहराई से और किस अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीति-निर्माण में समावेशी मानव विकास को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अंत्योदय की आवश्यकता पहले से कम नहीं, बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा, उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उतना ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो। नए रोजगार जितने पैदा होंगे, उतनी ही आवश्यकता होगी कि गरीब और ग्रामीण युवा उनके लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े करोड़ों श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह रेखांकित किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

इस दृष्टि से अंत्योदय का नया अर्थ सहायता से सशक्तिकरण होना चाहिए। गरीब को केवल अनुदान नहीं, अवसर मिले। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर उत्पादकता और बाजार मिले। श्रमिक को केवल रोजगार नहीं, कौशल और सामाजिक सुरक्षा मिले। महिला को केवल कल्याणकारी योजना नहीं, शिक्षा, संपत्ति, उद्यमिता और निर्णय-क्षमता में भागीदारी मिले। ग्रामीण युवा को केवल नौकरी की तलाश में शहर की ओर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उसके गांव और कस्बे में ही कौशल, डिजिटल सुविधा और उद्यम का वातावरण बने। यही अंत्योदय का आधुनिक स्वरूप हो सकता है-व्यक्ति को लाभार्थी से भागीदार बनाना। 2014 में शुरू हुई दीनदयाल अंत्योदय योजना ने ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए आजीविका तथा कौशल-विकास को महत्व दिया था। सरकार ने उस समय ग्रामीण एवं शहरी गरीबों के उत्थान के लिए कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को विस्तार देने की बात कही थी। आज आवश्यकता इस सोच को और व्यापक बनाने की है। अंत्योदय को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल, आवास, पोषण, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और सामाजिक सुरक्षा के बीच एक समन्वित दृष्टिकोण बनाना होगा।

भारत की अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ यह जिम्मेदारी भी बढ़ती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही और 2026-27 की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रही। भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी सार्वजनिक नीति और आर्थिक विमर्श में प्रमुखता से व्यक्त किया गया है, 2026 के केंद्रीय बजट पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया में भी यह लक्ष्य दोहराया गया। लेकिन आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा तभी व्यापक अर्थों में सफल होगी, जब आर्थिक शक्ति का सामाजिक आधार भी उतना ही मजबूत हो। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा केवल विश्व को ज्ञान देने से पूरी नहीं होगी, अपने समाज के अंतिम व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन देने से भी उसकी परीक्षा होगी। भारत की प्राचीन चेतना में ह्यसर्वे भवन्तु सुखिनः और ह्यवसुधैव कुटुम्बकम जैसे विचार रहे हैं। अंत्योदय इसी मानवीय परंपरा का आधुनिक सामाजिक-आर्थिक रूप माना जा सकता है। यह कहता है कि राष्ट्र की समृद्धि का अर्थ केवल कुछ लोगों की समृद्धि नहीं, बल्कि समूचे समाज की उन्नति है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को जीवंत रखने का सबसे सार्थक तरीका केवल उनके चित्र पर माल्यार्पण करना नहीं, बल्कि उनके विचार के मानवीय पक्ष को व्यवहार में उतारना है। उनका जीवन सादगी, संगठन, राष्ट्रसेवा और वैचारिक प्रतिबद्धता से जुड़ा रहा। उनका अंत्योदय दर्शन आने वाली पीढ़ियों को यह प्रश्न पूछने की प्रेरणा देता है कि हमारे विकास का अंतिम लाभार्थी कौन है और क्या वह वास्तव में विकास की मुख्यधारा में आ पाया है?

2047 का विकसित भारत केवल सरकार के प्रयासों से नहीं बनेगा। इसके लिए शासन, समाज, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों और नागरिकों-सभी की भागीदारी आवश्यक होगी। गांवों में स्थानीय उद्यमिता बढ़ानी होगी, युवाओं को कौशल देना होगा, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारनी होगी, स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना होगा और सरकारी योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और नई तकनीकें इस पहुंच को तेज कर सकती हैं, 2026 में नीति आयोग की डीपीआई-2047 रूपरेखा ने भी डिजिटल अवसंरचना को समावेशी और उत्पादकता-आधारित विकास से जोड़ा है। अंत्योदय का सबसे बड़ा संदेश यही है कि राष्ट्र की प्रगति को ऊपर से नीचे नहीं, नीचे से ऊपर भी देखना होगा। जब अंतिम गांव आगे बढ़ेगा, भारत आगे बढ़ेगा। जब अंतिम परिवार आत्मनिर्भर होगा, भारत मजबूत होगा। जब अंतिम बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाएगा, भारत का भविष्य मजबूत होगा। जब अंतिम श्रमिक को सम्मान और सुरक्षा मिलेगी, भारत की विकास यात्रा अधिक मानवीय होगी।

अंत्योदय दिवस इसलिए केवल 25 सितंबर का एक स्मृति-दिवस नहीं होना चाहिए। इसे राष्ट्र के विकास की नैतिक कसौटी बनाने की आवश्यकता है। दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को युगों तक जीवित रखने वाला सबसे प्रभावी स्मारक कोई भवन या प्रतिमा नहीं, बल्कि ऐसा भारत होगा जिसमें अंतिम व्यक्ति स्वयं को व्यवस्था से बाहर नहीं, बल्कि राष्ट्र की मुख्यधारा का सम्मानित भागीदार महसूस करे। विकसित भारत की ऊंचाई उसकी आर्थिक शक्ति से दिखाई देगी, लेकिन उसकी वास्तविक महानता इस बात से पहचानी जाएगी कि उसकी विकास-यात्रा कितनी दूर तक और कितने लोगों तक पहुंची है। अंत्योदय उसी यात्रा का मानवीय आधार है। 2047 का भारत यदि समृद्ध, सशक्त, आत्मनिर्भर और न्यायपूर्ण बनना चाहता है, तो विकास की हर मंजिल पर उसे एक बार पीछे मुड़कर उस अंतिम व्यक्ति को देखना होगा-क्योंकि जिस दिन अंतिम व्यक्ति का उदय होगा, उसी दिन भारत के उदय की पूर्णता होगी।

# तमिलनाडु में धर्म-आधारित कल्याणकारी नीतियांः तुष्टिकरण की पराकाष्ठा

अशोक भाटिया

स्वतंत्र भारत के इतिहास में नीति-निर्माण का मूल सिद्धांत हमेशा से यह रहा है कि राज्य लोक कल्याणकारी योजनाएं बनाते समय किसी भी नागरिक के साथ उसके पंथ, जाति या लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। भारतीय संविधान की प्रस्तावना में निहित 'पंथनिरपेक्षता' और अनुच्छेद १४ में समाहित 'समानता का अधिकार' इसी समतामूलक समाज की नींव रखते हैं। परंतु, हाल ही में तमिलनाडु सरकार द्वारा राज्य के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाली केवल मुस्लिम छात्राओं की पूरी ट्यूशन फीस सरकारी खजाने से माफ करने और वक्फ बोर्ड के माध्यम से छात्रवृत्तियों में एकतरफा वृद्धि करने की घोषणा ने इस संवैधानिक दर्शन को तार-तार कर दिया है। सामाजिक न्याय और अल्पसंख्यक कल्याण के लोकलुभावन मुखौटे के पीछे छिपी यह नीति वास्तव में विशुद्ध रूप से बहुसंख्यक विरोधी, विभाजनकारी और आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर तैयार की गई तुष्टिकरण की राजनीति का एक अत्यंत निकृष्ट उदाहरण है। शिक्षा जैसे पवित्र और बुनियादी क्षेत्र को जिस तरह से धार्मिक चश्मे से देखने का प्रयास किया गया है, उसने देश के जागरूक नागरिकों, विधि विशेषज्ञों और करदाताओं के भीतर एक गहरा आक्रोश और असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है।

इस नीति की सबसे बड़ी विडंबना और नैतिक विफलता इसकी बुनियादी सोच में ही निहित है, जो यह मानकर चलती है कि गरीबी, लाचारी, अशिक्षा और आर्थिक विपन्नता का कोई एक विशिष्ट धर्म होता है। वास्तविकता यह है कि तमिलनाडु के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लाखों हिंदू और ईसाई परिवार आज भी अत्यधिक तंगहाली और अभावों में जीवन बसर कर रहे हैं। एक गरीब हिंदू किसान, दिहाड़ी मजदूर, या बुनकर की बेटी भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए उसी तरह संघर्ष करती है, उसी तरह फीस भरने के लिए अपनी मां के गहने गिरवी रखती है और उन्हीं कठिन परिस्थितियों का सामना करती है, जिन परिस्थितियों से समाज का कोई अन्य व्यक्ति गुजरता है। परंतु, सरकार की इस संकीर्ण और मजहबी नीति ने उस गरीब हिंदू और ईसाई बेटी को केवल इसलिए इस अधिकार से वंचित कर दिया क्योंकि उसने एक विशिष्ट मजहब में जन्म नहीं लिया। यह राज्य द्वारा प्रायोजित खुल्लम-खुल्ला और संस्थागत भेदभाव नहीं तो और क्या है? क्या एक बहुसंख्यक गरीब परिवार की बेटी की आंखों के सपनों और उसकी शिक्षा का मूल्य सरकार की नजरों में सिर्फ इसलिए शून्य है क्योंकि वह किसी राजनीतिक दल का 'थोक वोट बैंक' नहीं हैं?

संवैधानिक और कानूनी दृष्टिकोण से देखा जाए, तो यह निर्णय सीधे तौर पर भारत के संविधान के बुनियादी ढांचे को चुनौती देता है। संविधान का अनुच्छेद १५(१) स्पष्ट रूप से राज्य को आदेश देता है कि वह किसी भी नागरिक के खिलाफ केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर कोई भेदभाव नहीं करेगा। हालांकि, अनुच्छेद १५(३) राज्य को महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान बनाने की अनुमति देता है, लेकिन इस 'सकारात्मक भेदभाव' का उद्देश्य समाज के पिछड़े वर्गों का उत्थान करना है, न कि धर्म के आधार पर समाज को दो स्पष्ट धड़ों में बांट देना। जब राज्य केवल एक विशिष्ट धार्मिक समुदाय की युवतियों को पूरी तरह से मुफ्त शिक्षा का विशेषाधिकार देता है और दूसरे समुदाय की समान रूप से गरीब युवतियों को उनकी आर्थिक लाचारी के बावजूद उस लाभ से वंचित

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

रखता है, तो यह कानून के समक्ष समानता के सिद्धांत की सरेआम हत्या है। पूर्व में भी न्यायपालिका ने अपने विभिन्न ऐतिहासिक निर्णयों में यह स्पष्ट किया है कि लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और इसके लिए 'विशुद्ध रूप से धार्मिक वर्गीकरण' को असंवैधानिक माना गया है। मद्रास उच्च न्यायालय के हालिया कड़े रुख ने भी यह साफ किया था कि केवल धार्मिक पहचान या धर्म परिवर्तन को किसी विशेष दर्जे या लाभ का आधार नहीं बनाया जा सकता। इसके बावजूद ऐसी नीतियों को लागू करना न्यायपालिका की अवमानना और संविधान के साथ विश्वासघात है।

इस पूरे प्रकरण का आर्थिक और सामाजिक पक्ष भी उतना ही भयावह है। राज्य का खजाना किसी राजनीतिक दल की बपौती नहीं होता, बल्कि वह देश के करोड़ों ईमानदार करदाताओं के खून-पसीने की कमाई से भरता है। तमिलनाडु पहले से ही भारी कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है, जहां राज्य पर वित्तीय प्रबंधन को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। ऐसी स्थिति में जनता के पैसे का उपयोग सर्वव्यापक और समावेशी विकास कार्यों, जैसे स्कूल-कॉलेजों की बुनियादी संरचना सुधारने, नए अस्पताल बनाने या सभी वर्गों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में होना चाहिए था। इसके विपरीत, सरकार अरबों रुपये का बजट केवल एक विशेष धार्मिक वर्ग को रिझाने और उनके एकतरफा तुष्टिकरण के लिए झोंक रही है। वक्फ और चर्च संपत्तियों के विकास के लिए करोड़ों रुपये का रिवॉल्विंग फंड जारी करना और केवल एक वर्ग की बेटियों की फीस माफ करना बहुसंख्यक समाज के करदाताओं के साथ एक बहुत बड़ा क्रूर मजाक है। यह नीति करदाताओं के भीतर इस भावना को सुदृढ़ करती है कि उनके द्वारा दिए गए टैक्स का इस्तेमाल उनके ही बच्चों के भविष्य को अंधकार में धकेलने और एक विशेष वर्ग को विशेषाधिकार संपन्न बनाने के लिए किया जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि द्रविड़ राजनीति के गढ़ रहे तमिलनाडु में सामाजिक न्याय का एक लंबा और गौरवशाली इतिहास रहा है। राज्य ने मध्याह्न भोजन (Mid-day Meal) जैसी ऐतिहासिक योजनाएं दीं, जिनकी सफलता का मुख्य कारण यह था कि वे सार्वभौमिक (Universal) थीं। उनमें किसी बच्चे की धार्मिक पहचान नहीं पूछी जाती थी। हाल ही की 'पुधुमाई पेन योजना' भी सफल रही क्योंकि उसका आधार सरकारी स्कूल की पृष्ठभूमि थी, न कि कोई मजहब। परंतु, वर्तमान शासन व्यवस्था ने तुष्टिकरण की इस नई नीति के जरिए उस गौरवशाली विरासत पर एक अमिट काला धब्बा लगा दिया है। यह सामाजिक न्याय का उत्थान नहीं, बल्कि सामाजिक अन्याय का निकृष्टतम रूप है। जब सरकारें अपनी राजनीतिक सत्ता को बचाए रखने के लिए समाज में 'हम' बनाम 'वे' की लकीर खींचने लगती हैं, तो वे अनजाने में एक ऐसे सामाजिक ज्वालामुखी को जन्म दे रही होती हैं जो अंततः पूरे समाज के ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर देता है। ऐसी नीतियां बहुसंख्यक समाज के भीतर एक गहरी निराशा, आक्रोश और अलगाव की भावना पैदा करती हैं, जो किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र और सामाजिक समरसता के लिए अत्यंत आत्मघाती है।

यदि सरकार की मंशा वास्तव में समाज के सबसे पिछड़े, शोषित और पीड़ित वर्ग का कल्याण करने की होती, तो इस वित्तीय सहायता या ट्यूशन फीस माफी का एकमात्र पैमाना 'पारिवारिक आय' या 'आर्थिक स्थिति' होना चाहिए था। यदि सरकार यह नियम बनाती कि राज्य के किसी भी धर्म, जाति या वर्ग के ऐसे परिवार जिनकी वार्षिक आय एक निश्चित सीमा से कम है, उनकी बेटियों की उच्च शिक्षा की पूरी फीस सरकार भरेगी, तो इस ऐतिहासिक कदम का स्वागत समाज के हर वर्ग द्वारा किया जाता। ऐसी स्थिति में मुस्लिम समाज की जरूरतमंद बेटियों को भी उनका हक सम्मानपूर्वक मिलता और हिंदू तथा ईसाई समाज की लाचार छात्राएं भी शिक्षा के अधिकार से वंचित न होतीं। आर्थिक आधार पर बनाई गई नीतियां समाज को जोड़ती हैं, उनमें पारदर्शिता होती है और वे सर्वस्वीकार्य होती हैं। परंतु, आर्थिक आधार को दरकिनार कर केवल धार्मिक पहचान को योग्यता का पैमाना बनाना यह साबित करने के लिए पर्याप्त है कि सरकार का उद्देश्य समाज का वास्तविक उत्थान करना नहीं, बल्कि आगामी चुनावों में अल्पसंख्यक मतों का एकतरफा ध्रुवीकरण अपने पक्ष में करना है।

यह सही है कि महिलाओं का सशक्तिकरण और लड़कियों को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करना किसी भी प्रगतिशील राष्ट्र की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं हो सकती कि अल्पसंख्यक समुदाय की बेटियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। लेकिन इस पवित्र उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अपनाया गया मार्ग भी उतना ही न्यायसंगत, पारदर्शी और धर्मनिरपेक्ष होना चाहिए। धर्म के आधार पर मुफ्तखोरी और विशेषाधिकार बांटने की यह मूक और अदूरदर्शी जिद समाज को विनाश की ओर ले जाएगी। तमिलनाडु सरकार को इस आत्मघाती नीति के व्यापक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दुष्प्रभावों पर तुरंत पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। नीति निमार्ताओं को यह समझना होगा कि सामाजिक न्याय की भव्य इमारत किसी एक वर्ग को अनुचित लाभ देकर और बहुसंख्यक वर्ग को प्रताड़ित करके कभी नहीं बनाई जा सकती। समावेशी विकास का मार्ग धर्म के संकीर्ण गलियारों से नहीं, बल्कि आर्थिक न्याय, योग्यता और मानवीय गरिमा के सार्वभौमिक सिद्धांतों से होकर गुजरता है। समय आ गया है कि देश की अदालतें और प्रबुद्ध नागरिक इस तरह के धर्म-आधारित वर्गीकरण के खिलाफ मजबूती से खड़े हों, ताकि भारतीय संविधान की धर्मनिरपेक्ष आत्मा की रक्षा की जा सके और देश को तुष्टिकरण की इस गंभीर संक्रामक बीमारी से बचाया जा सके।

# क्या बिना संघर्ष हर्ष की प्राप्ति नहीं?

– विक्रम दयाल

जीवन का दूसरा नाम ही संघर्ष है। जिस प्रकार बिना तपे सोना कुंदन नहीं बनता, बिना घिसे पत्थर प्रतिमा का रूप नहीं लेता और बिना अंधकार के प्रकाश का महत्व समझ में नहीं आता, उसी प्रकार संघर्ष के बिना जीवन की वास्तविक सफलता और उससे मिलने वाला हर्ष भी अधूरा रह जाता है। प्रश्न यही है कि क्या मनुष्य बिना संघर्ष के सचमुच स्थायी सुख और सफलता प्राप्त कर सकता है? आज का मनुष्य सुविधाओं से घिरा हुआ है। विज्ञान ने जीवन को सरल बनाया, तकनीक ने दूरियों को कम किया और आधुनिक साधनों ने अनेक कठिनाइयों को हमारे द्वार से दूर कर दिया। लेकिन सुविधाओं के इस विस्तार के बीच संघर्ष से बचने की प्रवृत्ति भी बढ़ती दिखाई दे रही है। हर कोई सफलता चाहता है, लेकिन सफलता तक पहुंचने वाली कठिन राह पर चलने के लिए कितने लोग तैयार हैं—यह आज का बड़ा सामाजिक प्रश्न है। हर्ष केवल परिणाम का नाम नहीं, बल्कि उस यात्रा की अनुभूति भी है जिसमें मनुष्य ने अपनी क्षमता, धैर्य और साहस की परीक्षा दी हो। जिस उपलब्धि के लिए पसीना बहाया जाता है, उसकी खुशी अलग होती है। जिस मुकाम तक पहुंचने के लिए अनेक बार गिरकर उठना पड़ता है, वहां पहुंचने का आनंद मन को भीतर तक संतोष देता है। एक किसान को ही देखिए। वह बीज बोता है तो उसी दिन फसल की आशा नहीं करता। मिट्टी तैयार करता है, मौसम की मार सहता है, धूप में तपता है, वर्षा की प्रतीक्षा करता है और कभी-कभी प्राकृतिक आपदा के कारण पूरी मेहनत को मिट्टी में मिलते हुए भी देखता है। फिर भी वह अगले मौसम में दोबारा खेत में उतरता है। जब खेत में लहलहाती फसल दिखाई देती है तो उसकी खुशी केवल अनाज मिलने की नहीं होती, बल्कि उस संघर्ष के सफल होने की होती है जो उसने महीनों तक किया। विद्यार्थी का जीवन भी संघर्ष की पाठशाला है। परीक्षा में अच्छे अंक पाने की इच्छा हर विद्यार्थी रखता है, लेकिन रातों की नींद छोड़कर अध्ययन करने, असफलता के बाद फिर प्रयास करने और अपनी कमियों को दूर करने का साहस ही उसे आगे ले जाता है। पहली असफलता अंत नहीं होती; वह सुधार का अवसर होती है। जो व्यक्ति असफलता से सीखकर आगे बढ़ता है, वही सफलता के वास्तविक अर्थ को समझ पाता है। इतिहास भी बताता है कि बड़े परिवर्तन कभी आसान रास्तों से नहीं आए। स्वतंत्रता, सामाजिक सुधार, शिक्षा का प्रसार, वैज्ञानिक उपलब्धियां और मानव जीवन में आए अनेक सकारात्मक परिवर्तन—इन सबके पीछे लंबे संघर्ष, त्याग

-विक्रम दयाल

और धैर्य की कहानी छिपी है। संघर्ष ने मनुष्य को केवल उपलब्धियां नहीं दीं, बल्कि उसके भीतर आत्मविश्वास और आत्मबल भी पैदा किया। आज की पीढ़ी के सामने एक अलग प्रकार की चुनौती है। डिजिटल माध्यमों ने सफलता को बहुत चमकदार रूप में प्रस्तुत कर दिया है। कुछ क्षणों की लोकप्रियता, त्वरित धन और तुरंत परिणाम की चाह ने धैर्य की शक्ति को प्रभावित किया है। सोशल मीडिया पर किसी की सफलता दिखाई देती है, लेकिन उसके पीछे वर्षों की मेहनत दिखाई नहीं देती। परिणाम सामने होता है, संघर्ष पर्दे के पीछे छिपा रहता है। यही कारण है कि अनेक लोग अपनी यात्रा की तुलना दूसरों की मंजिल से करने लगते हैं। इससे निराशा जन्म लेती है। हमें यह समझना होगा कि हर व्यक्ति की परिस्थितियां अलग हैं और हर सफलता की अपनी यात्रा है। किसी और के परिणाम को देखकर अपनी मेहनत को छोटा समझ लेना स्वयं के साथ अन्याय है। संघर्ष का अर्थ केवल परेशानी सहना नहीं है। संघर्ष का अर्थ है—विपरीत परिस्थितियों में भी सही दिशा में निरंतर प्रयास करते रहना। संघर्ष हमें अपनी सीमाओं से परिचित कराता है और फिर उन्हें पार करने की शक्ति देता है। वह मनुष्य के भीतर छिपे उस साहस को सामने लाता है, जिसका उसे स्वयं भी पहले पता नहीं होता। लेकिन संघर्ष का अर्थ यह भी नहीं कि मनुष्य अन्याय, शोषण या असमानता को चुपचाप स्वीकार करता रहे। सामाजिक व्यवस्था का दायित्व है कि वह प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ने का समान अवसर दे। गरीब का संघर्ष केवल उसकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं है; समाज और शासन की भी जिम्मेदारी है कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन के अवसर उपलब्ध हों। संघर्ष तभी सार्थक बनता है जब व्यवस्था भी न्यायपूर्ण हो। परिवार में भी बच्चों को संघर्ष का महत्व समझाना आवश्यक है। हर कठिनाई को उनके रास्ते से हटा देना उन्हें जीवन के लिए मजबूत नहीं बनाता। बच्चों को असफल होने, उससे सीखने और पुनः प्रयास करने का अवसर मिलना चाहिए। सुविधा देना अच्छी बात है, लेकिन संघर्ष से परिचित कराना भी उतना ही जरूरी है। बुजुर्गों के जीवन में तो संघर्ष की अनगिनत कहानियां छिपी होती हैं। उन्होंने सीमित साधनों में परिवार बनाए, बच्चों को पढ़ाया, कठिन समय में धैर्य रखा और अपनी आवश्यकताओं को पीछे रखकर अगली पीढ़ी का भविष्य संवारा। आज की पीढ़ी यदि उनके अनुभवों से सीख ले तो उसे समझ आएगा कि सुख-सुविधाओं से भरा वर्तमान कितने संघर्षों की नींव पर खड़ा हुआ है। प्रकृति भी हमें यही संदेश देती है। नदी रास्ते में आने वाली चट्टानों से रुकती नहीं, बल्कि अपना रास्ता बनाती हुई आगे बढ़ती है। पेड़ आंधी में झुकता है, लेकिन जड़ों से जुड़ा रहे तो फिर खड़ा हो जाता है। सूर्य प्रतिदिन अस्त होता है, लेकिन अगली सुबह फिर उदय होता है। प्रकृति का प्रत्येक दृश्य मानो कहता है—रुकना मत, परिस्थितियां बदलती रहती हैं। मनुष्य के जीवन में भी उतार-चढ़ाव आते रहेंगे। कभी सफलता मिलेगी, कभी असफलता। कभी प्रशंसा होगी, कभी आलोचना। कभी रास्ते खुले मिलेंगे, कभी बाधाएं सामने खड़ी होंगी। महत्वपूर्ण यह नहीं कि रास्ते में कितनी बाधाएं आईं; महत्वपूर्ण यह है कि हमने उन बाधाओं के सामने अपने कदम कितनी देर तक टिकाए। संघर्ष मनुष्य को विनम्र भी बनाता है। जिसने कठिन समय देखा हो, वह दूसरों के दर्द को बेहतर समझ सकता है। जिसने स्वयं अभाव झेला हो, वह जरूरतमंद की सहायता का मूल्य जानता है। इसलिए संघर्ष केवल सफलता का माध्यम नहीं, बल्कि संवेदनशील मनुष्य बनने की प्रक्रिया भी है। हर्ष भी तभी गहरा होता है जब उसके पीछे परिश्रम की कहानी हो। बिना प्रयास मिली सुविधा क्षणिक प्रसन्नता दे सकती है, लेकिन अपने श्रम से अर्जित उपलब्धि आत्मसंतोष देती है। वह मनुष्य के भीतर यह विश्वास जगाती है कि ह्लमैं कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ सकता हूं।ह्व इसलिए जीवन में आने वाले संघर्षों से घबराने की आवश्यकता नहीं। हर संघर्ष को अपनी क्षमता की परीक्षा समझना चाहिए। हर असफलता से कुछ सीखना चाहिए और हर सफलता के बाद अगले लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए। अंततः प्रश्न केवल यह नहीं कि बिना संघर्ष हर्ष की प्राप्ति हो सकती है या नहीं, बल्कि यह भी है कि संघर्ष के बिना प्राप्त हर्ष कितना स्थायी और सार्थक होगा? जीवन में कुछ खुशियां संयोग से मिल सकती हैं, लेकिन गहरी संतुष्टि प्रायः उसी उपलब्धि से आती है जिसके लिए मनुष्य ने ईमानदारी से प्रयास किया हो। संघर्ष रास्ते की कठिनाई है, लेकिन वही सफलता की पहचान भी बन सकता है।

पसीने की बूंदें जब परिश्रम की मिट्टी से मिलती हैं, तभी उपलब्धि की फसल लहलहाती है। इसलिए संघर्ष से भागिए नहीं—उसे समझिए, उससे सीखिए और आगे बढ़ते रहिए। क्योंकि कई बार हर्ष की सबसे मधुर ध्वनि उसी रास्ते के अंत में सुनाई देती है, जिस रास्ते पर चलते हुए हमने सबसे अधिक संघर्ष किया होता है।

# जातीय आरक्षण से योग्यता पर ग्रहण, समाज में अलगाव बढ़ा

भारत के सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में आरक्षण, यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) के प्रावधानों और सामाजिक न्याय की नीतियों को लेकर एक नया और गहरा वैचारिक संघर्ष आकार ले रहा है। हाल के दिनों में ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और अन्य अगड़ी जातियों (जिन्हें सामान्य वर्ग या सवर्ण समाज कहा जाता है) के बैनर तले हो रहे आंदोलन इस बात के गवाह हैं कि देश की सामाजिक बनावट में सुलग रही असंतोष की चिंगारी अब सतह पर आ चुकी है। इन आंदोलनों की तीव्रता किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तर भारत से लेकर महाराष्ट्र और महानगरों तक इसका विस्तार देखा जा रहा है। सवर्ण समाज की इस नाराजगी के केंद्र में आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा की मांग और उच्च शिक्षण संस्थानों में लागू होने वाले यूजीसी के दिशा-निर्देशों का विरोध मुख्य रूप से शामिल है। आंदोलनकारियों का तर्क है कि जातिगत आरक्षण ने मेधा और योग्यता की अनदेखी की है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर और सामान्य वर्ग के युवाओं के लिए अवसरों का दायरा लगातार सिमटता जा रहा है। उनका यह भी मानना है कि यूजीसी के कुछ नए नियमों और प्रावधानों के क्रियान्वयन से विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में निष्पक्षता प्रभावित हो रही है, जिससे बहुसंख्यक सामान्य वर्ग के छात्रों और शिक्षकों में असुरक्षा की भावना पनप रही है।

जमीन पर उतरकर यदि इस आंदोलन की नब्ज टटोली जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि यह केवल कुछ लोगों का तात्कालिक आक्रोश नहीं है, बल्कि यह उस लंबी असंतुष्ट खामोशी का प्रस्फुटन है, जो पिछले कई दशकों से मुख्यधारा की राजनीति में अपनी अनदेखी महसूस कर रही थी। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे पेचीदा और विरोधाभासी पहलू यह है कि इतनी बड़ी सामाजिक हलचल के बावजूद देश का कोई भी प्रमुख राजनीतिक दल इन आंदोलनकारियों के पक्ष में खुलकर खड़ा होता नजर नहीं आ रहा है। राजनीतिक गलियारों में छाई यह खामोशी इस देश की उस चुनावी सच्चाई को उजागर करती है, जिसे हम वोट बैंक की सियासत कहते हैं। भारतीय लोकतंत्र में चुनावी गणित हमेशा से संख्या बल के इर्द-गिर्द बुना जाता रहा है और राजनीतिक दलों के लिए सत्ता की सीढ़ी चढ़ने का सबसे सुगम मार्ग संख्यात्मक रूप से बड़े समूहों को साधना माना गया है। इसी राजनीतिक विवशता के चलते सवर्ण जातियों के

-संजय सक्सेना

इन जायज सरोकारों और तर्कों पर बात करने से भी राजनीतिक दल कतराते दिख रहे हैं।एक समय था जब भारतीय जनता पार्टी को वैचारिक और सामाजिक रूप से मुख्य तौर पर ब्राह्मणों और बनियों की पार्टी समझा जाता था और यह माना जाता था कि अगड़ी जातियों के हितों की रक्षा के लिए यह दल स्वाभाविक आश्रय स्थल है। परंतु, समय के चक्र और चुनावी राजनीति की अनिवार्यताओं ने इस समीकरण को पूरी तरह बदल दिया है। आज सत्ता के शीर्ष पर बैठी भाजपा हो या विपक्ष के अन्य दल, सभी इस बात को भली-भांति समझते हैं कि राजनीतिक वजूद को बचाए रखने के लिए दलित, पिछड़े और आदिवासी समुदायों (बहुजन समाज) का समर्थन अनिवार्य है। यही कारण है कि आज भाजपा बिना किसी संकोच के दलितों और पिछड़ों के अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं और उनके प्रतीकों के साथ मजबूती से खड़ी नजर आती है। पार्टी का यह रणनीतिक बदलाव पूरी तरह से व्यावहारिक राजनीति पर आधारित है, जहां चुनावी जीत और सत्ता का संतुलन अगड़ी जातियों की नाराजगी की कीमत पर भी साधने से दल पीछे नहीं हट रहे हैं। यही वजह है कि सरकार इन आंदोलनकारियों की मांगों पर विचार करना तो दूर, उनसे औपचारिक बातचीत करने से भी कतराती दिख रही है। राजनेताओं को यह डर सता रहा है कि यदि वे सवर्ण आंदोलनों के पक्ष में थोड़ा भी झुकाव दिखाते हैं, तो उनका मुख्य मतदाता वर्ग छिटक सकता है, जिससे चुनावी हार का खतरा पैदा हो सकता है।इस राजनीतिक उदासीनता और प्रशासनिक उपेक्षा का असर अब सीधे तौर पर भारतीय समाज के ताने-बाने पर दिखने लगा है। जब नीति-निमार्ता और राजनीतिक दल किसी बड़े सामाजिक वर्ग की शिकायतों को अनसुना कर देते हैं, तो समाज में दूरियां और कड़वाहट बढ़ने लगती हैं। इसके जमीनी दुष्परिणाम अब आम नागरिकों के जीवन में तनाव और टकराव के रूप में सामने आने लगे हैं। उदाहरण के लिए, हाल ही में मुंबई और उसके आसपास के क्षेत्रों में हुई कुछ घटनाओं ने यह दिखा दिया है कि कैसे वैचारिक और सामाजिक ध्रुवीकरण का असर रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ने लगा है।

यूजीसी के प्रावधानों और जातिगत संवेदनशीलता की आड़ में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सामान्य वर्ग के लोगों को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने या बेवजह निशाना बनाने की खबरें लगातार आ रही हैं। इस प्रकार की घटनाएं समाज में उस अविश्वास और कटुता को हवा दे रही हैं, जो दशकों के सामाजिक मेल-मिलाप के बाद बड़ी मुश्किल से सींची गई थी। जब एक वर्ग यह महसूस करता है कि कानून और व्यवस्था के मोर्चे पर उसकी सुनवाई नहीं हो रही है और प्रशासनिक मशीनरी भी सत्ता की राजनीतिक प्राथमिकताओं के आगे झुक चुकी है, तो समाज के भीतर एक गहरा क्षोभ जन्म लेता है। यह क्षोभ केवल आर्थिक या शैक्षणिक अधिकारों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह आत्मसम्मान की लड़ाई बन जाता है। इस पूरे परिदृश्य में एक बुनियादी सवाल यह उठता है कि क्या भारतीय लोकतंत्र में बहुसंख्यक लेकिन संख्यात्मक रूप से खंडित सवर्ण समाज के अधिकारों की रक्षा का कोई लोकतांत्रिक उपाय शेष नहीं बचा है? क्या सिर्फ इसलिए किसी वर्ग की आवाज को दबा दिया जाएगा क्योंकि उनके पास चुनाव जिताने लायक एकीकृत वोट बैंक की ताकत नहीं है? राजनीतिक दलों की यह कार्यप्रणाली अंततः देश के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर रही है। जब न्याय और संवाद के द्वार एक विशेष वर्ग के लिए बंद कर दिए जाते हैं, तो लोकतंत्र की मूल भावना आहत होती है। आज जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक दल तात्कालिक चुनावी लाभ और वोट बैंक की गणित से ऊपर उठकर समाज के सभी वर्गों की चिंताओं को सुनें। आरक्षण की समीक्षा का मुद्दा हो या यूजीसी जैसे मामलों में निष्पक्षता का प्रश्न, इन पर बिना किसी राजनीतिक पूर्वाग्रह के एक खुली और पारदर्शी राष्ट्रीय बहस होनी चाहिए। यदि राजनीति समाज के घावों पर मरहम लगाने के बजाय उन्हें वोट की तराजू में तौलना जारी रखेगी, तो मुंबई जैसी घटनाएं केवल अपवाद नहीं रहेंगी, बल्कि यह देश के अन्य हिस्सों में भी सामाजिक असंतोष की बड़ी आंधी का रूप ले सकती हैं।इसलिए, यह समय सभी दलों के लिए आत्ममंथन का है, ताकि लोकतंत्र की गाड़ी को केवल एक पहिए पर खींचने के बजाय समाज के हर हिस्से को साथ लेकर आगे बढ़ाया जा सके।

## अज्ञात हमलावरों ने हथौड़े से किया अचानक हमला, सैंडविच विक्रेता गंभीर रूप से घायल

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** पालघर जिले के बोईसर पुलिस थाना क्षेत्र में बोईसर-तारापुर मुख्य मार्ग पर यस बैंक के समीप सोमवार की रात सैंडविच विक्रेता पर हुए अचानक हमले से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। दो अज्ञात व्यक्तियों में से एक ने कथित तौर पर सैंडविच विक्रेता के सिर पर हथौड़े से ताबड़तोड़ वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल विक्रेता का सिलवासा स्थित अस्पताल में उपचार जारी है, जहां उसके सिर पर 26 टांके लगाये गये हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के मूल निवासी हर्षनाथ तिवारी बोईसर पूर्व के दांडीपाड़ा स्थित पाठक चाल में रहते हैं। वह पिछले कई वर्षों से बोईसर-तारापुर मुख्य मार्ग पर यस बैंक के पास सैंडविच बेचने का व्यवसाय करते हैं। बताया जाता है कि 21 सितंबर 2026 की रात करीब 10 बजे हर्षनाथ तिवारी अपने व्यवसाय स्थल पर मौजूद थे। इसी दौरान दो अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचे। आरोप है कि इनमें से एक व्यक्ति ने अचानक हथौड़ा निकालकर तिवारी के सिर पर कई वार कर दिए। अचानक हुए इस हमले में उनके सिर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद घायल तिवारी को तत्काल उपचार के लिए सिलवासा के अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान उनके सिर पर 26 टांके लगाये गये। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गये।

घटना की सूचना मिलते ही बोईसर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा घटनास्थल तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की जा रही है। इसके साथ ही तकनीकी जांच के माध्यम से हमलावरों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के प्रयास किये जा रहे हैं। फिलहाल हमले के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही हमले के वास्तविक कारण और आरोपियों की पहचान सामने आने की संभावना है। बोईसर-तारापुर जैसे व्यस्त मुख्य मार्ग पर रात के समय हुई इस घटना से स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। स्थानीय नागरिकों ने रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है, ताकि व्यापारियों के साथ-साथ आम नागरिकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके। फिलहाल मामले की जांच बोईसर के उपविभागीय पुलिस अधिकारी दिनेश बैसाने के दिशा-निर्देश तथा थाना प्रभारी सुनील जाधव के मार्गदर्शन में पुलिस टीम द्वारा की जा रही है। बोईसर पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है और हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है।

## डोंगरी नाकाबंदी में दो देसी पिस्तौल के साथ आरोपी गिरफ्तार

◆किआ सोनेट कार समेत 20.50 लाख रुपये का माल जब्त, उत्तन सागरी पुलिस की कार्रवाई

**मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)।** उत्तन सागरी पुलिस थाना क्षेत्र में पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक कार से दो देसी पिस्तौल और मैगजीन बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से हथियारों के साथ करीब 20.50 लाख रुपये मूल्य की कीमती वस्तुएं जब्त की हैं। पुलिस के अनुसार, 23 सितंबर 2026 की सुबह करीब 4:30 बजे उत्तन सागरी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत डोंगरी तटीय चौकी पर नाकाबंदी की गई थी। इस दौरान पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही थी। जांच के दौरान एक ग्रे रंग की किआ सोनेट कार (टल्र-02-टठ-3125), वर्ष 2021 मॉडल को रोककर तलाशी ली गई। कार की तलाशी में हथियार बरामद तलाशी के दौरान कार से दो देसी पिस्तौल मैगजीन सहित बरामद हुईं। पुलिस ने दोनों हथियारों की कीमत करीब 25-25 हजार रुपये बताई है। इसके अलावा पुलिस ने करीब 20 लाख रुपये कीमत की किआ सोनेट कार भी जब्त की है। इस प्रकार पुलिस द्वारा जब्त किए गए माल की कुल कीमत 20 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है। एस्टेट एजेंट आरोपी गिरफ्तार पुलिस ने मामले में संजय सुरेंद्र सिंह (36) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पेशे से एस्टेट एजेंट है और दहिसर पूर्व, मुंबई का निवासी है। उसका मूल निवास उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में बताया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी उक्त वाहन में हथियार लेकर घूम रहा था। इस कार्रवाई के बाद उत्तन सागरी पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 130/2026 के तहत भारतीय शस्त्र अधिनियम, 1959 की धारा 3 एवं 25(1)(ए) तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 37(1) एवं 135 के तहत मामला दर्ज किया गया है। हथियार कहां से आए? पुलिस जांच में जुटी पुलिस अब बरामद दोनों पिस्तौल के स्रोत, हथियार आरोपी तक कैसे पहुंचे और इनका इस्तेमाल किसी अन्य अपराध में हुआ है या नहीं, इसकी जांच कर रही है। साथ ही आरोपी के अन्य संभावित आपराधिक संपर्कों और इस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई यह कार्रवाई मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिन्त्रे, पुलिस उपायुक्त जोन-1 राहुल चव्हाण तथा सहायक पुलिस आयुक्त भायंदर विभाग कन्हैया थोरात के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में उत्तन सागरी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुभाष चंद्र मरकड, पुलिस निरीक्षक (अपराध) मिलिंद साबले, पुलिस उपनिरीक्षक कमलाकर चस्कर, पुलिस हवलदार छोटू साबले, संतोष सानप, नीलकंठ जयभाये, यूनुस गिरगांवकर तथा मासूब सदाशिव डोम सहित पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मामले की आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक कमलाकर चस्कर द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की जा रही है।

## राका के नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, एक साथ 37 लोगों का रियल-टाइम मोशन-कैप्चर कर रचा इतिहास

**मुंबई/पटना।** आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन अभिनीत, वी. अरुणकुमार (एटली) द्वारा निर्देशित और सन पिक्चर्स के कलानिधि मारन द्वारा निर्मित बहुप्रतीक्षित फिल्म राका ने सिनेमाई तकनीक के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। फिल्म ने रियल-टाइम में मोशन-कैप्चर किए गए सर्वाधिक लोगों का रिकॉर्ड श्रेणी में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। यह रिकॉर्ड एक ही समय में 37 कलाकारों के रियल-टाइम मोशन कैप्चर के जरिए बनाया गया, जो भारतीय सिनेमा के लिए एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि मानी जा रही है। यह रिकॉर्ड फरवरी 2026 में बनाया गया था और 15 सितंबर 2026 को इसे आधिकारिक रूप से प्रमाणित किया गया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के सीनियर एडजुडिकेटर स्वप्निल डांगरिकर ने एक विशेष समारोह में अल्लू अर्जुन और निर्देशक एटली को आधिकारिक प्रमाणपत्र सौंपा। इस अवसर पर फिल्म की मुख्य कास्ट और क्रू भी मौजूद रही।

# हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद निर्माण परमिट जारी करने पर सवाल

◆मंत्री प्रताप सरनाईक ने नगररचना विभाग पर साधा निशाना, सेवन इलेवन प्रकरण में अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश

**मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)।** मीरा-भायंदर महानगरपालिका के नगररचना एवं विधि विभाग में कथित अनियमितताओं और राजनीतिक हस्तक्षेप के आरोपों को लेकर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने सख्त रुख अपनाया है। 24 सितंबर को हुई बैठक में उन्होंने कथित तौर पर उच्च न्यायालय के आदेशों के बावजूद जारी किए गए निर्माण परमिट, लेटर ऑफ इंटेंट (LOI) और अन्य मंजूरियों की जांच कर संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। इस पूरे प्रकरण के केंद्र में विधायक नरेंद्र मेहता के कथित हस्तक्षेप और शिकायतकर्ता अजगर अली वोरा द्वारा उठाए गए ह्यसेवन इलेवनह्ण से जुड़े मामलों को बताया जा रहा है। हालांकि, इन आरोपों पर संबंधित पक्षों का अंतिम पक्ष और जांच का निष्कर्ष सामने आना बाकी है।

हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद परमिट कैसे जारी हुआ? बैठक में कथित तौर पर यह सवाल उठाया गया कि यदि किसी परियोजना के संबंध में न्यायालय का स्थगन अथवा प्रतिबंधात्मक आदेश लागू था, तो उसके बावजूद निर्माण संबंधी अनुमति किस कानूनी आधार पर जारी की गई। मंत्री सरनाईक ने अधिकारियों से इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। विशेष रूप से विशेष दीवानी वाद क्रमांक 481/2014 से संबंधित न्यायालयीन आदेशों का हवाला देते हुए यह जानकारी मांगी गई है कि सेवन इलेवन से जुड़े प्रकरण में निर्माण प्रारंभ प्रमाणपत्र (CC) किस आधार पर जारी किया गया और बाद में उसे वापस लेने की प्रक्रिया में किन अधिकारियों की भूमिका रही। 63 मामलों में पहले चरण की जांच प्रेस नोट के अनुसार, नगररचना विभाग से संबंधित दर्ज 63 मामलों में से पहले चरण के पांच मामलों की समीक्षा पूरी हो चुकी है। इनमें दो कथित अवैध परमिट तत्काल रद्द किए जाने की जानकारी दी गई है, जबकि एक मामले में राज्य सरकार से कानूनी राय लेने का निर्णय बताया गया है। संबंधित मामले पर अंतिम निर्णय 16 नवंबर को लिए जाने की बात कही गई है। मंत्री ने कथित तौर पर स्पष्ट किया कि कार्रवाई केवल कनिष्ठ कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यदि जांच में वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका अथवा पद के दुरुपयोग के तथ्य सामने आते हैं तो उनकी भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए हर महीने शिकायत सुनवाई आयोजित करने की घोषणा मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि आम नागरिकों को प्रत्येक मामले के लिए अदालतों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़नी चाहिए। इसी उद्देश्य से उन्होंने नगररचना विभाग से जुड़ी शिकायतों की नियमित सुनवाई करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि वे प्रत्येक महीने शिकायत सुनवाई आयोजित कर नगररचना विभाग से संबंधित शिकायतों की समीक्षा करेंगे और जिन मामलों में नियमों का उल्लंघन सामने आएगा, उनमें नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आदिवासी और पर्यावरण संवेदनशील जमीनों पर भी जांच बैठक में नवघर क्षेत्र की आदिवासी एवं निजी जमीनों के साथ-साथ पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्रों से जुड़े मामलों पर भी चर्चा होने की जानकारी सामने आई है। कथित रूप से जारी किए गए छडक और निर्माण परमिट की वैधता की जांच के निर्देश दिए गए हैं। सेवन इलेवन प्रकरण पहले से जांच के दायरे में अजगर अली वोरा की शिकायत से जुड़ा ह्यसेवन इलेवनह्ण प्रकरण इससे पहले भी सार्वजनिक रूप से सामने आ चुका है। अप्रैल 2026 में आयोजित लोक दरबार में वोरा की शिकायत पर मंत्री प्रताप सरनाईक ने संबंधित अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण कर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

## अलहमद कॉलेज में अनसीन पैसेज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया कौशल और लेखन क्षमता का हुनर

**भिवंडी(उत्तरशक्ति)।** विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने तथा उनके भाषाई कौशल, शब्दावली और लेखन क्षमता को विकसित करने के उद्देश्य से अलहमद हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज में अनसीन पैसेज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को अपठित अंग्रेजी गद्यांश देकर निर्धारित समय में उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहा गया। मूल्यांकन गद्यांश की समझ, उत्तरों की शुद्धता, भाषा-अभिव्यक्ति और समय प्रबंधन के आधार पर किया गया। कक्षा 12वीं में कॉमर्स बी की जिया नूर मोहम्मद ने प्रथम, साइंस बी के शाह अफजल अकबर ने द्वितीय तथा इदरीसी अनम फातिमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं 11वीं साइंस बी की खान मरहबा जमालुद्दीन प्रथम, खान आफिया कमालुद्दीन द्वितीय तथा 11वीं कॉमर्स बी की शेख सारा रईस अहमद तृतीय रहीं। विद्यार्थियों का मार्गदर्शन डॉ. मतीउल्लाह खान एवं खान फायजा कमालुद्दीन ने किया। विजेताओं को चेयरमैन अब्दुल अजीज अंसारी एवं एडमिनिस्ट्रेटर निहाल अहमद के हाथों पुरस्कार प्रदान किए गए। अब्दुल अजीज अंसारी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। प्रतियोगिता के आयोजन में जूनियर कॉलेज इंचार्ज रोशन सर सहित समस्त शिक्षकों का सहयोग रहा।

## किसान संकट में तो उत्सव नहीं -डॉ. श्रीकांत शिंदे ने रद्द किया रासरंग

◆दांडिया का खर्च किसानों के नाम, श्रीकांत शिंदे ने चुना अन्नदाता का साथ

◆किसानों की मदद के लिए इस साल रासरंग डांडिया उत्सव रद्द

**डोंबिवली (उत्तरशक्ति)।** महाराष्ट्र के कई हिस्सों में अनियमित बारिश के कारण फसलों को हुए नुकसान और किसानों के सामने खड़े आर्थिक संकट को देखते हुए कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने इस साल डोंबिवली का भव्य रासरंग दांडिया उत्सव-२०२६ रद्द करने का फैसला लिया है। उत्सव के आयोजन पर होने वाला खर्च अब संकटग्रस्त किसानों की मदद के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इसकी जानकारी शिवसेना विधायक राजेश मोरे ने गुरुवार को पत्रकार परिषद में दी।

डोंबिवली के नवदुर्गा मित्र मंडल और डॉ. श्रीकांत शिंदे फाउंडेशन की ओर से हर साल डी.एन.सी. स्कूल मैदान में रास रंग दांडिया उत्सव का आयोजन किया जाता है।

इसमें डोंबिवली के साथ कल्याण-डोंबिवली, ठाणे, उल्हासनगर, अंबरनाथ और आसपास के हजारों नागरिक शामिल होते हैं। इस साल किसानों की मुश्किल स्थिति को देखते हुए उत्सव पर खर्च करने के बजाय यह राशि किसान परिवारों की मदद के लिए दी जाएगी। नवदुर्गा मित्र मंडल और डॉ. श्रीकांत शिंदे फाउंडेशन के माध्यम से भरीव आर्थिक सहायता देने की तैयारी है। किन क्षेत्रों में और किस स्वरूप में मदद दी जाएगी, इसका नियोजन जारी है। नुकसान ग्रस्त क्षेत्रों का जायजा लेने के बाद सहायता का स्वरूप तय किया जाएगा और जल्द इसकी विस्तृत जानकारी घोषित की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी हाल ही में अकोला, बुलढाणा सहित अन्य क्षेत्रों में किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानी हैं। उन्होंने संकटग्रस्त परिवारों को आर्थिक मदद के साथ बच्चों की शिक्षा, विवाह और अन्य पारिवारिक जरूरतों में सहायता देने की भूमिका रखी है।

इस साल भले ही रास रंग का भव्य आयोजन नहीं होगा, लेकिन नवरात्र की परंपरा कायम रहेगी। साधारण तरीके से देवी की घटस्थापना, पूजा और आराधना की जाएगी। किसान संकट में हैं, ऐसे समय में उत्सव के बजाय अन्नदाता की मदद को प्राथमिकता देने का फैसला लिया गया है। ऐसी जानकारी शिवसेना जिलाध्यक्ष गोपाल लांडगे और विधायक राजेश मोरे ने पत्रकार परिषद कर जानकारी दी।

## जिला परिषद के आदर्श शिक्षकों व मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह संपन्न

**भिवंडी(उत्तरशक्ति)।** पंचायत समिति भिवंडी द्वारा आयोजित जिला परिषदीय विद्यालयों के आदर्श शिक्षकों का सम्मान समारोह कार्यक्रम अंजूरफाटा स्थित श्री हालारी विशा ओसवाल स्कूल के शांति चंदन आडोटोरियम हाल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भिवंडी लोकसभा सांसद सुरेश म्हात्रे के हाथों शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पंचायत समिति प्रशासक तथा गटविकास अधिकारी गोविंद घोरपड़े, पूर्व पंचायत समिति सभापति विकास भोईर, पदाधिकारी बालाराम कराले, शरद पाटिल, कृष्णा वाकडे सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं गणमान्य उपस्थित थे। सांसद म्हात्रे ने कहा कि उन्होंने स्वयं जिला परिषद स्कूल से शिक्षा प्राप्त की है और इसी शिक्षा के कारण आज वे सक्षम बन सके हैं। अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों का महत्व बढ़ा है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी जिला परिषद स्कूलों की भूमिका महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों में अनुशासन बनाए रखने के लिए शिक्षकों का प्रभाव और मार्गदर्शन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य गढ़ने वाले शिक्षकों के सामने वे नतमस्तक हैं और शिक्षकों का सम्मान करने का अवसर मिलने को अपना सौभाग्य मानते हैं।

समारोह में प्रीती मिलिंद भोईर (वडूनवघर), देवयानी बालाराम पाटिल (शेलार), मनीषा गोविंद पवार (कुहे), रेश्मा वीरेंद्र आर्यमाने (दापोडे), सुवर्णा सुरेश ठाकरे (माडोशी), गीता सीताराम चासकर (कोशिंबी), शर्मिला बालाराम पाटिल (अकलोली) तथा नंदू सीताराम नाईक (वडपे) को आदर्श शिक्षक के रूप में सम्मानित किया गया।

## वाहन चोरी करने वाले 2 शातिर चोर गिरफ्तार, कल्याण क्राइम ब्रांच को मिली बड़ी कामयाबी

**कल्याण (उत्तरशक्ति)।** ठाणे पुलिस आयुक्तालय, नवी मुंबई पुलिस आयुक्तालय और ठाणे ग्रामीण पुलिस क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से मोटरसाइकिल चोरी करने वाले दो शातिर आरोपियों को कल्याण क्राइम ब्रांच पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से करीब 11 लाख 40 हजार रुपये कीमत की कुल 21 मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। जिसमे से एक आरोपी को पहले ही जेल भेजा गया है, पुलिस के अनुसार, खड़कपाड़ा पुलिस थाने में दर्ज वाहन चोरी के मामलों की जांच के दौरान क्राइम ब्रांच पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सरवर अनु सैय्यद (42) निवासी पटेलनगर, भास्कर शालेमोर, आंबिवली पश्चिम, कल्याण तथा गाशी रफिक जाफरी (28) निवासी आंबिवली, से गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने ठाणे पुलिस आयुक्तालय, मुंबई पुलिस आयुक्तालय, ठाणे ग्रामीण और नवी मुंबई पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र से मोटरसाइकिल चोरी करने की बात कबूल की। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से विभिन्न स्थानों से चोरी की गई कुल 21 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 11,40,000 बताई गई है।

बरामद मोटरसाइकिलों के संबंध में खड़कपाड़ा, महात्मा फुले चौक, डोंबिवली, मुंब्रा, मध्यवर्ती, नारपोली, कपारबावड़ी, कल्याण तालुका, वाडा, कसारा तथा लोणाड सहित विभिन्न पुलिस थानों में वाहन चोरी के मामले दर्ज हैं।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों के खिलाफ पहले से वाहन चोरी, जबरी चोरी, जबरी वसूली, पुलिस पर हमला तथा अन्य मामलों से जुड़े कई अपराध दर्ज हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में कुल 37 मामले दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। यह कार्रवाई ठाणे शहर के पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे, सह-पुलिस आयुक्त पंजाबराव उगले, पुलिस उपायुक्त अमर सिंह जाधव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कल्याण पुलिस द्वारा की गई। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम ने तकनीकी जांच एवं गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों तक पहुंचकर चोरी की मोटरसाइकिलों का पदार्फाश किया।

## साईलोक नगर के महाराजा की गाजे-बाजे के साथ हुई विदाई

**पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)।** युवा शक्ति सनातन संघ की ओर से आयोजित गणेशोत्सव का मंगलवार 22 सितंबर को श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ समापन हुआ। नौ दिनों तक चले गणेशोत्सव के बाद साईंलोक नगर के महाराजा को गाजे-बाजे और गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष के बीच भक्तों ने भावपूर्ण विदाई दी। विसर्जन यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बतादें कि गणेशोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। युवा शक्ति सनातन संघ के अध्यक्ष एवं गणेशोत्सव के मुख्य आयोजक आनंद सिंह के मार्गदर्शन में रविवार 20 सितंबर को साईंलोक नगर के महाराजा के दरबार में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में सैकड़ों नगरवासियों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। वहीं सोमवार 21 सितंबर को विधि-विधान से पूजन, हवन एवं महाआरती का आयोजन किया गया। इसके पश्चात विशाल महाप्रसाद भंडारा आयोजित हुआ, जिसमें हजारों गणेश भक्तों ने सहभागिता करते हुए महाप्रसाद ग्रहण किया और गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंगलवार को गणपति बप्पा की भव्य विदाई यात्रा निकाली गई। इस भव्य विदाई यात्रा में ढोल-ताशों और गाजे-बाजे के बीच श्रद्धालु गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष करते हुए उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इस दौरान श्रद्धालुओं में जहां उत्साह नजर आया, वहीं बप्पा की विदाई को लेकर भावुकता भी देखने को मिली। गणेशोत्सव को सफल बनाने में युवा शक्ति सनातन संघ के अध्यक्ष एवं मुख्य आयोजक आनंद सिंह सहित संघ के पदाधिकारियों, कार्यकताओं तथा स्थानीय नागरिकों का विशेष योगदान रहा।

## वॉकी-टॉकी के माध्यम से महिला को गुमराह कर एटीएम कार्ड व पिन हासिल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

◆बोईसर के एसबीआई एटीएम में वारदात, यस बैंक खाते से 90 हजार रुपये निकाले

◆नकदी सहित दो वॉकी-टॉकी सेट और वाहन जब्त

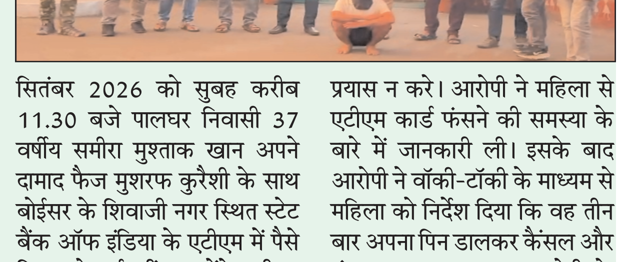

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** पालघर जिले के बोईसर शहर में एटीएम मशीन में कार्ड फंसने का झांसा देकर एक महिला से एटीएम कार्ड और उसका पिन हासिल कर खाते से 90 हजार रुपये निकालने वाले आरोपी को बोईसर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने वारदात को अंजाम देने के लिए एटीएम कक्ष में वॉकी-टॉकी छिपाकर रखा था और उसी के माध्यम से महिला को यह विश्वास दिलाया कि वह एटीएम के कैमरे से उसकी गतिविधियों पर नजर रख रहा है। पुलिस ने आरोपी के पास से ठगी की गई रकम में से 60 हजार रुपये की नकदी बरामद करने के साथ ही वारदात में इस्तेमाल किये गये दो वॉकी-टॉकी सेट और वाहन को भी जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार 14 सितंबर 2026 को सुबह करीब 11.30 बजे पालघर निवासी 37 वर्षीय समीरा मुश्ताक खान अपने दामाद फैज मुशरफ कुरैशी के साथ बोईसर के शिवाजी नगर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में पैसे निकालने गई थीं। उन्होंने एटीएम मशीन में अपने यस बैंक का डेबिट कार्ड डालकर 7 हजार रुपये निकाले। इसके बाद जब उन्होंने अपना एटीएम कार्ड मशीन से निकालने का प्रयास किया, तो कार्ड मशीन के अंदर फंस गया। काफी प्रयास करने के बावजूद कार्ड बाहर नहीं निकला। इसी दौरान एटीएम कक्ष में आरोपी द्वारा छिपाकर रखे गए वॉकी-टॉकी से आवाज आई। आरोपी ने महिला से कहा कि वह उसे एटीएम में लगे कैमरे के माध्यम से देख रहा है और वह घबराए नहीं तथा कार्ड को बाहर खींचने का प्रयास न करे। आरोपी ने महिला से एटीएम कार्ड फंसने की समस्या के बारे में जानकारी ली। इसके बाद आरोपी ने वॉकी-टॉकी के माध्यम से महिला को निर्देश दिया कि वह तीन बार अपना पिन डालकर कैंसल और एंटर का बटन दबाए। आरोपी के निर्देश पर महिला ने ऐसा ही किया, लेकिन इसके बावजूद एटीएम कार्ड मशीन से बाहर नहीं निकला। कार्ड बाहर नहीं निकलने पर आरोपी ने महिला से कहा कि वह अपना मोबाइल नंबर लिखकर एटीएम के पास छोड़ दे। आरोपी ने यह भरोसा दिलाया कि अगले दिन मशीन का ऑपरेटर आने पर वह एटीएम कार्ड निकलवाकर महिला को फोन करेगा और कार्ड वापस कर देगा। आरोपी की बात पर विश्वास करते हुए महिला अपना मोबाइल नंबर वहां छोड़कर घर चली गई।

# विरार पुलिस ने सेंधमारी का मामला सुलझाया

## नालासोपारा पूर्व से 25 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार, चोरी का मोबाइल-लैपटॉप समेत सामान बरामद

**विरार (उत्तरशक्ति)।** विरार पुलिस ने विरार पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई सेंधमारी और चोरी के मामले का पदार्फाश करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की गई संपत्ति भी बरामद कर ली है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर उसके अन्य संभावित अपराधों में शामिल होने की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, 11 सितंबर 2026 की तड़के सुबह शिकायतकर्ता नसुरुद्दीन कादिर अली (32) घर से खदान की ओर गए थे। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति खिड़की के रास्ते उनके घर में दाखिल हुआ और घर से मोबाइल फोन, लैपटॉप, नकदी सहित अन्य सामान चोरी कर फरार हो गया। चोरी की गई संपत्ति में सैमसंग गैलेक्सी A-35 मोबाइल फोन, HP कंपनी का Pavilion DV-2014TU मॉडल लैपटॉप, नकदी, Fastrack कंपनी की स्मार्ट वॉच तथा एक बैग जिसमें महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे हुए थे, शामिल हैं। इस मामले में विरार पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 454/2026 दर्ज किया गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 331(3), 331(4) और 305(ए) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी और तकनीकी जांच से आरोपी तक पहुंची पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अपराध जांच टीम ने तत्काल जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी जानकारी और पारंपरिक पुलिस जांच के आधार पर संदिग्ध की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को मिले सुरागों के आधार पर आरोपी की पहचान की गई और उसे नालासोपारा पूर्व इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। मलाड पश्चिम का रहने वाला है आरोपी गिरफ्तार आरोपी की पहचान चीनी उर्फ नीलेश दिनू खरवाड़ (25) के रूप में हुई है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# UPI शुल्क व्यवस्था को लेकर व्यापारियों में चिंता, सरकार पारदर्शिता और राहत सुनिश्चित करे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। UPI के माध्यम से डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लेकर व्यापारियों में नई MDR (Merchant Discount Rate) व्यवस्था पर चिंता जताई जा रही है। महाराजा अग्रसेन सर्व व्यापारी मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने सरकार से व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए UPI शुल्क व्यवस्था में पारदर्शिता और राहत सुनिश्चित करने की मांग की है।

पीडीए भवन, लड्डन कॉलोनी कटघरा स्थित कार्यालय से जारी बयान में मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि UPI ने देश के व्यापार और आम जनजीवन को तेज, सरल और डिजिटल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े व्यापारियों तक बड़ी संख्या में लोग डिजिटल भुगतान व्यवस्था पर निर्भर हैं। ऐसे में UPI लेनदेन से जुड़ी किसी भी नई शुल्क व्यवस्था को स्पष्ट रूप से समझाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया है कि व्यक्ति से व्यक्ति (P2P) UPI लेनदेन पर

कोई शुल्क नहीं लगेगा। वहीं, रु.2,000 तक के व्यापारी भुगतान को MDR से मुक्त रखने तथा निर्धारित श्रेणी के छोटे व्यापारियों के लिए रु.1 लाख प्रतिमाह तक के UPI भुगतान पर शून्य MDR की व्यवस्था जारी रहने की बात कही गई है। इसके अलावा रु.2,000 से अधिक के कुछ व्यापारी लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत MDR का प्रावधान बताया गया है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि UPI को लोकप्रिय बनाने में देश के व्यापारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसलिए किसी भी नई लागत का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव छोटे कारोबार, खुदरा व्यापार और अंततः ग्राहकों पर नहीं पड़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि MDR की राशि ग्राहक से वसूलने की अनुमति नहीं है। ऐसे में व्यापारियों को शुल्क व्यवस्था के नियमों की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि भ्रम या गलत वसूली की स्थिति उत्पन्न न हो।

उन्होंने सरकार से मांग की कि UPI को व्यापारियों के लिए सरल, पारदर्शी और न्यूनतम लागत वाली भुगतान व्यवस्था बनाए रखा जाए तथा छोटे एवं मध्यम व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े, इसके लिए प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए ग्राहक, व्यापारी, बैंक और डिजिटल पेमेंट कंपनियों के हितों के बीच संतुलन आवश्यक है।

# खाने के तेल पर इंपोर्ट ड्यूटी घटी, नई दरें आधी रात से लागू

## क्रूड सोयाबीन-पाम ऑयल पर शुल्क 10 से घटकर 5 फीसदी, सनफ्लावर ऑयल पर भी बड़ी राहत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ खाद्य तेलों की कीमतों को लेकर केंद्र

सरकार ने आयात शुल्क में कटौती की है। क्रूड सोयाबीन और पाम ऑयल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी (BCD) 10 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दी गई है। वहीं रिफाइंड सोयाबीन और पाम ऑयल पर आयात शुल्क 32.5 फीसदी से घटाकर 27.5 फीसदी किया गया है।

इसी तरह क्रूड सनफ्लावर ऑयल पर इंपोर्ट ड्यूटी 10 फीसदी से घटाकर शून्य कर दी गई है, जबकि रिफाइंड सनफ्लावर ऑयल पर शुल्क 32.5 फीसदी से घटाकर 22.5 फीसदी किया गया है। नई दरें आधी रात से लागू होने की जानकारी दी गई है। शुल्क में कटौती का असर खाद्य तेलों के आयात और बाजार कीमतों पर पड़ सकता है।

**वेज-नॉनवेज रसोई को लेकर सख्ती-** उत्तर प्रदेश में होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों में शाकाहारी और मांसाहारी भोजन की रसोई को अलग रखने को लेकर भी सख्ती की तैयारी है। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित प्रतिष्ठान पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। गंभीर स्थिति में होटल, रेस्टोरेंट या ढाबे का लाइसेंस निरस्त किए जाने की कार्रवाई भी हो सकती है। हालांकि, इस संबंध में कार्रवाई लागू होने से पहले संबंधित विभाग के आधिकारिक आदेश और स्थानीय स्तर पर जारी दिशा-निर्देशों को देखना महत्वपूर्ण होगा।

# गाजीपुर पुलिस ने 2 करोड़ के हेरोइन के साथ महिला सहित तीन तस्करों को किया गिरफ्तार

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक महिला समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक किलो 15 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद करने का दावा किया है। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब दो करोड़ रुपये बताई गई है। इन आरोपियों के पास से चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन और 1,290 रुपये नकद भी बरामद हुए हैं।

पुलिस के अनुसार, 23 सितंबर 2026 की रात प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रनाथ सिंह पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि वाराणसी- गोरखपुर-महराजगंज हाईवे पर महराजगंज तिराहे से आगे लालनपुर मड़ई गांव के मोड़ के पास एक बोलेरो में कुछ लोग मादक पदार्थ लेकर मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। करीब रात 8:20 बजे बोलेरो से दो पुरुष और एक महिला को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक किलो 15 ग्राम हेरोइन, चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन और 1,290 रुपये नकद बरामद होने का दावा पुलिस ने किया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राकेश यादव उर्फ गामा यादव, निवासी सरैया पोस्ट छावनी लाइन, थाना कोतवाली गाजीपुर, हाल पता भुतहिया टांड़ गाजीपुर, कृष्ण बिहारी उर्फ पिंटू प्रजापति, निवासी तुलसीपुर भुतहिया टांड़, थाना कोतवाली गाजीपुर और रीना यादव, पत्नी बिरजू यादव, निवासी सहनिंदा गांव, थाना मोहम्मदाबाद, गाजीपुर के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ में राकेश यादव उर्फ गामा यादव ने कथित तौर पर बताया कि वे सोनू दांगी निवासी चौपारण बाजार, झारखंड से हेरोइन खरीदते थे।

इसके बाद कृष्ण बिहारी उर्फ पिंटू प्रजापति और रीना यादव के माध्यम से इसे भोपाल भेजा जाता था। वहां अधिक कीमत में बेचकर रकम भेजे जाने की बात भी पूछताछ में सामने आने का पुलिस ने दावा किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी हेरोइन की खेप को बेचने के लिए संबंधित लोगों को बस पकड़वाने जा रहे थे कि तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। इस मामले में थाना कोतवाली गाजीपुर में मुकदमा अपराध संख्या 723/26, धारा 8/21/29/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत राकेश यादव उर्फ गामा यादव समेत तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अब कथित सप्लाई नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और हेरोइन की खरीद-फरोख्त के स्रोत की जांच में जुटी है।

# एसपी दरबार में पहुंचा मारपीट का मामला, धाराएं बढ़ाने की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना शाहगंज क्षेत्र के सुरिस गांव निवासी शीतला प्रसाद ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर मारपीट के मामले में मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर मुकदमे में धारा बढ़ाने की मांग की है। प्रार्थी का आरोप है कि जिस तरह की चोटें आई हैं, उसके अनुरूप कम धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। उनका कहना है कि पुलिस मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं कर रही है।

प्रार्थी के अनुसार, 20 सितंबर 2026 की शाम करीब छह बजे जमीन संबंधी विवाद को लेकर विपक्षी पक्ष के लोग कथित तौर पर लाठी-डंडा, लोहे की रॉड और धारदार हथियार लेकर उनके घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर उनकी पुत्री कुसुम, प्रिया और पत्नी भाना देवी के साथ मारपीट की गई। प्रार्थी का आरोप है कि इस दौरान उनकी पुत्री कुसुम के सिर पर लोहे की रॉड से वार किया गया।

शीतला प्रसाद के मुताबिक घटना की सूचना शाहगंज थाने पर दी गई, जिसके आधार पर अपराध संख्या

328/2026 में धारा 191(2), 115(2), 352 और 351(3) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। प्रार्थी का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट में चोटों का उल्लेख होने के बावजूद मुकदमे में धारा 109(1) बीएनएस की बढ़ोतरी नहीं की गई।

प्रार्थी ने पुलिस अधीक्षक से मेडिकल रिपोर्ट का परीक्षण कर मुकदमे में धारा 109(1) बीएनएस बढ़ाने तथा मामले में उचित कार्रवाई के लिए शाहगंज थानाध्यक्ष को निर्देशित करने की मांग की है। प्रार्थना पत्र के साथ मेडिकल रिपोर्ट, चोटों की फोटो और एफआईआर की प्रति भी संलग्न किए जाने की बात कही गई है।

**नोटः** खबर में लगाए गए आरोप प्रार्थी द्वारा पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्र पर आधारित हैं। मामले में पुलिस जांच और संबंधित दूसरे पक्ष का पक्ष सामने आना बाकी है।

# नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींवः कुलपति

## नशामुक्त युवा-विकसित भारत के संकल्प के साथ मनाया गया एन एस एस स्थापना दिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में कंज्यूमर वॉयस, नई दिल्ली एवं कंज्यूमर गिल्ड, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के अवसर पर 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' अभियान के अंतर्गत युवाओं में शराब के दुष्प्रभावों की रोकथाम, जागरूकता एवं संरक्षण विषयक युवा संवेदनी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से युवाओं को बचाने के लिए परिवार, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों और युवाओं को मिलकर कार्य करना होगा।

मुख्य वक्ता अभिषेक श्रीवास्तव कंज्यूमर गिल्ड लखनऊ ने कहा कि एक जागरूक युवा वही है जो किसी वस्तु या आदत को अपनाने से पहले उसके प्रभाव और परिणाम को समझता है। आज आवश्यकता है कि हम युवाओं को केवल यह न कहें कि 'नशा मत करो', बल्कि उन्हें यह भी बताएं कि नशे से दूर रहकर जीवन में बेहतर विकल्प क्या हो सकते हैं–खेल, योग, अध्ययन, नवाचार, सामाजिक सेवा और रचनात्मक गतिविधियां।

सुश्री नीलजना बोस ने अपना उद्बोधन एक प्रस्तुतिकारण के साथ प्रस्तुत किया कई बार युवाओं पर दोस्तों का दबाव, सामाजिक वातावरण या यह सोच प्रभाव डालती है कि शराब पीना आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा है। हमें इस सोच पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि आज युवा जीवन

में अनेक प्रकार के दबावों से गुजरता है–पढ़ाई का दबाव, करियर की चिंता, प्रतिस्पर्धा, सामाजिक अपेक्षाएं और साथियों का प्रभाव। ऐसे समय में हमें युवाओं को केवल उपदेश देने के बजाय उन्हें सही जानकारी, सही मार्गदर्शन और सकारात्मक वातावरण देना होगा। मैं कंज्यूमर वॉयस, नई दिल्ली एवं कंज्यूमर गिल्ड, लखनऊ का भी आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने युवाओं के बीच इस महत्वपूर्ण विषय को लेकर संवाद की पहल की है।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस पर नशा मुक्ति युवा फॉर विकसित थीम पर स्वयंसेवकों निशांत एवं अंजली की टीम ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। रिया गुप्ता, आस्था सोनी, अंतिम विश्वकर्मा, अंजली चौहान, संध्या विंद ने नशा मुक्त पर सॉन्ग प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत परिचय कार्यक्रम समन्वयक डॉ शशिकांत यादव ने किया।

कार्यक्रम का संचालन अभिनव कीर्ति पांडेय और श्री ओम प्रकाश मिश्र ने किया धन्यवाद ज्ञापन सुमित सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. श्याम कन्हैया डॉ. अनुराग मिश्र, डॉ. श्वेता पांडेय, डॉ. राधिका उर्मिलिया, डॉ. विवेक डॉ. रिचा सिंह, अर्पिता यादव, शिवांगी कौशल, आर्ची वर्मा, बृजेश एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

# गुणवत्ता में कमी मिली तो विधायक ने गिरवाई विद्यालय कक्ष की दीवार

## रोहनिया विधायक ने सड़क और विद्यालय निर्माण कार्य का किया औचक निरीक्षण

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के रमना गांव में बुधवार को ग्राम प्रधान

प्रतिनिधि अमित पटेल की शिकायत पर विधायक डॉ. सुनील पटेल ने सड़क और प्राथमिक विद्यालय में चल रहे निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य कराने के निर्देश दिए।

प्राथमिक विद्यालय परिसर में निमार्णाधीन कक्ष की दीवार की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं मिलने पर विधायक ने नाराजगी जताई और उसे गिराने का निर्देश दिया। विधायक के निर्देश के बाद निमार्णाधीन कक्ष की दीवार को गिरा दिया गया।

विधायक डॉ. सुनील पटेल ने बताया कि रमना गेट से नरोत्तमपुर तक करीब 3.5 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण 11 करोड़ 47 लाख रुपये की अनुमानित लागत से कराया जा रहा है। परियोजना में सड़क निर्माण के साथ स्ट्रीट लाइट और सुंदरीकरण का कार्य भी प्रस्तावित है।

निरीक्षण के दौरान सड़क में डाली जा रही गिट्टी की परत सहित अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता भी देखी गई। विधायक ने मौके पर मौजूद जेई को स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए और स्वीकृत मानकों के अनुसार ही कार्य कराया जाए।

विधायक ने कहा कि सरकारी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और मानकों का पालन प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि अमित पटेल, मानस सिंह, राजकुमार वर्मा, आनंद प्रकाश, विनोद पटेल, विकास, राजू सहित स्थानीय ग्रामीण एवं विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

# जमीनी विवाद में मीटर लगाने से रोकने पर युवक की पिटाई

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। बड़ागांव थाना क्षेत्र के कूड़ी गांव सभा में जमीनी विवाद को लेकर बिजली का मीटर लगाने पहुंचे युवक की कथित तौर पर पट्टीदारों ने पिटाई कर दी। घटना में बीच-बचाव करने पहुंची कुछ लड़कियों के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप है।

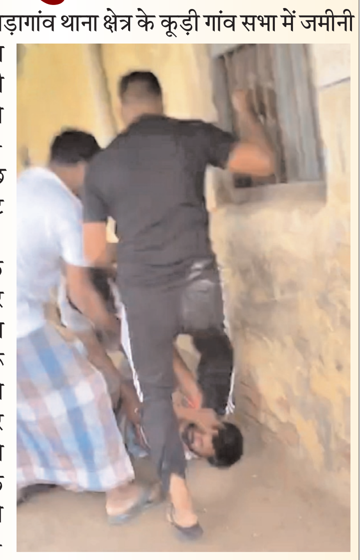

बताया जाता है कि जलालुद्दीन बिजली का मीटर लगाने पहुंचा था। इसी दौरान जमीन को लेकर विवाद शुरू हो गया और मीटर लगाने से मना करने के बाद तीन-चार लोगों ने कथित तौर पर उसे पकड़ लिया। आरोप है कि इसके बाद लाठी-डंडे से उसकी पिटाई की गई। बीच-बचाव करने पहुंची लड़कियों के साथ भी मारपीट की गई।

घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग युवक के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। मारपीट में घायल जलालुद्दीन को उपचार के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि घटना के बाद पुलिस को शिकायत दी गई, लेकिन अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

# चलते टैम्पो से कूदकर किशोरी ने बचाई जान, अपहरण का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर क्षेत्र के नत्थनपुर गांव के पास गुरुवार को घास काटने गई 16 वर्षीय किशोरी को बंद बॉडी वाले टैम्पो में जबरन बैठाए जाने का मामला सामने आया है। किशोरी करीब तीन किलोमीटर दूर नेहरूनगर पुलिया के पास चलते टैम्पो से कूद गई और बांस की कोठी में छिपकर अपनी जान बचाई।

हीरापुर गांव निवासी पतिराम यादव की पुत्री अंजली यादव नत्थनपुर गांव के पास घास काटने गई थी। इसी दौरान एक बंद बॉडी का टाटा टैम्पो वहां आकर रुका। उसमें से दो युवक उतरे और किशोरी को पास बुलाया। किशोरी ने बताया कि उसे लगा कि वे रास्ता पूछने के लिए बुला रहे हैं। जैसे ही वह उनके पास पहुंची, आरोप है कि युवकों ने उसका मुंह दबाकर जबरन टैम्पो में बैठा लिया और वाहन का गेट बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद टैम्पो बेलाव-केराकत मार्ग की ओर चला गया।

किशोरी के अनुसार, नेहरूनगर पुलिया के पास मौका पाकर वह चलते टैम्पो से कूद गई और सड़क किनारे बांस की कोठी में छिप गई। उसके कूदने के बाद आरोपितों ने टैम्पो रोककर उसकी तलाश की। किशोरी के नहीं मिलने पर वे वाहन लेकर कबूलपुर बाजार की ओर लौट गए।

बदमाशों के जाने के बाद किशोरी बाहर निकली और राहगीरों को घटना की जानकारी दी। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी मिलते ही जलालपुर थानाप्रभारी सत्येंद्र विक्रम सिंह, जफराबाद पुलिस तथा एसओजी टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस को किशोरी ने बताया कि टैम्पो के अंदर सात अन्य लड़कियां भी थीं। उसके मुताबिक, उन लड़कियों के हाथ-पैर बंधे हुए थे, उनके चेहरे पर नकाब था और वे बेहोशी की हालत में प्रतीत हो रही थीं। किशोरी की सूचना के आधार पर पुलिस ने कंट्रोल रूम के माध्यम से जिलेभर में संबंधित टैम्पो की तलाश के लिए सूचना प्रसारित कराई। इसके साथ ही थानाप्रभारी ने क्षेत्र की दर्जनों दुकानों और प्रतिष्ठानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली। थानाप्रभारी सत्येंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है और घटना की तह तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

# सेवा संकल्प अभियान के तहत बीआरसी बक्शा में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड बक्शा स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) में ह्यसेवा संकल्प अभियानह्न के अंतर्गत बच्चों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम खंड शिक्षा अधिकारी बक्शा नीरज कुमार श्रीवास्तव की देखरेख में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. देवी प्रसाद सिंह, जिला मंत्री भारतीय जनता पार्टी, जौनपुर ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया। प्रतियोगिता में बच्चों ने पिछले 10 वर्षों में विकसित भारत के लिए किए गए महत्वपूर्ण कार्यों को चार्ट पेपर पर चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता में पीएम श्री विद्यालय मयंदीपुर के सुशील कुमार प्रजापति ने प्रथम, पूर्व माध्यमिक विद्यालय बक्शा की छात्रा प्रीति प्रजापति ने द्वितीय तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय बरपुर की छात्रा अंजलि विन्द ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि ने विजेता एवं प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

वहीं, पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण, अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। जिला प्रचार मंत्री सुनील प्रजापति, डॉ. विष्णु शंकर सिंह, एआरपी सुशील यादव, रणजीत यादव,

चतुर्भुज यादव, जय सिंह यादव, प्रवीण कुमार सिंह, शशांक सिंह, दयाकर तिवारी, रमेश मिश्रा, संजय यादव, जमील अहमद, मृदुल सिंह सहित बीआरसी बक्शा के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ बक्शा के ब्लॉक अध्यक्ष सरोज कुमार सिंह, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के महामंत्री डॉ. मनीष सिंह सोमवंशी, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला संयुक्त मंत्री शैलेन्द्र सिंह,

# अलग पूर्वांचल राज्य की मांग को लेकर जनमोर्चा ने तेज किया अभियान

## पृथक राज्य गठन के मुद्दे पर व्यापक जनसंवाद की मांग

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों को मिलाकर पृथक पूर्वांचल राज्य के गठन की मांग को लेकर अभियान तेज करने की घोषणा की है। संगठन ने कहा कि पूर्वांचल की भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक एवं प्रशासनिक परिस्थितियों को देखते हुए अलग राज्य के गठन के मुद्दे पर व्यापक और तथ्यात्मक बहस की आवश्यकता है। संगठन के महासचिव पवन कुमार सिंह ने कहा कि पूर्वांचल राज्य की मांग किसी क्षेत्र या समाज के विरोध में नहीं है, बल्कि क्षेत्र के विकास, प्रशासनिक सुविधा और स्थानीय आवश्यकताओं से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि कृषि, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, औद्योगिक विकास, सड़क और अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप विकास की प्राथमिकताएं तय करने पर विचार होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पूर्वांचल के विकास से जुड़े आंकड़ों, उपलब्ध संसाधनों, रोजगार की संभावनाओं और प्रशासनिक आवश्यकताओं का विशेषज्ञों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से अध्ययन कराया जाना चाहिए, ताकि पृथक राज्य के प्रस्ताव पर तथ्यपरक और सार्थक चर्चा हो सके। राष्ट्रीय सचिव राजेश यादव ने कहा कि पूर्वांचल के लोगों की क्षेत्रीय विकास संबंधी चिंताओं पर लोकतांत्रिक तरीके से खुली चर्चा जरूरी है। उन्होंने कहा कि संगठन शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक माध्यम से पृथक पूर्वांचल राज्य की मांग को आगे बढ़ाएगा।

जनमोर्चा ने बताया कि आने वाले दिनों में पूर्वांचल के विभिन्न जिलों में जनसंवाद, जागरूकता कार्यक्रम और विचार-विमर्श आयोजित किए जाएंगे। संगठन का उद्देश्य पृथक राज्य के प्रस्ताव को लेकर जनता के बीच संवाद बढ़ाना और क्षेत्रीय विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा को आगे बढ़ाना है।

# एकादश आयुर्वेद दिवस पर सोनभद्र में भव्य जिलास्तरीय कार्यक्रम

## आयुर्वेदिक जीवनशैली अपनाकर स्वस्थ समाज के निर्माण का दिया संदेश

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। एकादश आयुर्वेद दिवस के अवसर पर जिला पंचायत संसाधन केंद्र (उद्धफ्ठ) में जिलास्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती जागृति अवस्थी रहीं।

मुख्य विकास अधिकारी ने लोकजीवन में स्वास्थ्य संरक्षण एवं रोगों की चिकित्सा में आयुर्वेद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोगों से आयुर्वेदिक जीवनशैली को दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को स्वस्थ जीवनशैली के प्रत्यक्ष उदाहरण देते हुए आयुर्वेद के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान आयुर्वेद दिवस के महत्व एवं उद्देश्यों पर आधारित भाषण, निबंध, क्विज, पोस्टर पेंटिंग और रील वीडियो निर्माण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें जयप्रकाश नारायण सर्वोदय आवासीय बालिका विद्यालय, कीर्ति इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज, ओम प्रकाश कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज, जिला

शैक्षणिक प्रशिक्षण संस्थान तथा राजकीय महिला महाविद्यालय राबर्ट्सगंज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती जागृति अवस्थी ने सम्मानित किया। साथ ही प्रतिभागी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. विश्वकर्मा, 50 शय्या आयुष चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. ज्योतिर्जय सहित वरिष्ठ चिकित्सक मौजूद रहे। डॉ. अपूर्व प्रियदर्शी ने मंच संचालन करते हुए आयुर्वेद से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।

इस अवसर पर आयुष विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न शिक्षण संस्थानों के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

## लैंडमार्क कार्स और ओएलएक्स इंडिया की बड़ी साझेदारी, बनाएंगे देश का सबसे बड़ा फिजिटल प्री-ओन्ड कार प्लेटफॉर्म

**मुंबई।** भारत के एक प्रमुख प्रीमियम ऑटोमोटिव रिटेल नेटवर्क लैंडमार्क कार्स लिमिटेड और कारट्रेड टेक लिमिटेड का हिस्सा ओएलएक्स इंडिया ने आज भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक एकीकृत फिजिटल (फिजिकल + डिजिटल) प्री-ओन्ड कार खरीदने और बेचने का अनुभव बनाने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी के तहत, लैंडमार्क अपने 12 राज्यों में 140 से अधिक वाहन रिटेल और सर्विस टचपॉइंट्स के नेटवर्क को, जिसने अपनी स्थापना के बाद से 5 लाख से अधिक ग्राहकों को सेवा दी है, ओएलएक्स इंडिया के ऑनलाइन ऑटोमोटिव प्लेटफॉर्म के साथ एकीकृत करेगा, जिस पर सालाना 2.3 करोड़ से अधिक उपभोक्ता यूज्ड कार खरीदते या बेचते हैं। यह गठबंधन भारत के प्री-ओन्ड कार बाजार के सबसे बड़े दर्द बिंदुओं में से एक को संबोधित करने के लिए डिजाइन किया गया है: डिजिटल सुविधा और फिजिकल आश्वासन के बीच विश्वास की कमी। इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य ग्राहकों को ऑनलाइन खोज से लेकर व्यक्तिगत निरीक्षण और टेस्ट ड्राइव, फाइनेंसिंग, रजिस्ट्रेशन ट्रांसफर और बिक्री के बाद की सर्विसिंग और वारंटी सपोर्ट तक एक सिंगल जर्नी प्रदान करना है।

इस अवसर पर लैंडमार्क कार्स लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक आर्यमान ठक्कर ने कहा, लैंडमार्क ने भारतीय ऑटोमोटिव रिटेल इकोसिस्टम में एक अग्रणी स्थान बनाया है, जिसे मजबूत ग्राहक संबंधों, स्थापित डीलरशिप नेटवर्क, अग्रणी ऑटोमोटिव ब्रांड साझेदारियों और व्यापक आफ्टर-सेल्स क्षमताओं का समर्थन प्राप्त है। हमारा उद्देश्य समय के साथ एक अलग पेशकश बनाकर प्री-ओन्ड कार उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी बनना है जो स्केलेबल और टिकाऊ हो, साथ ही वित्तीय अनुशासन बनाए रखे। आज उपभोक्ता तेजी से फिजिकल टचपॉइंट के विश्वास और भरोसे के साथ डिजिटल खोज की सुविधा चाहते हैं। ओएलएक्स इंडिया के साथ हमारा जुड़ाव पूरक शक्तियों को एक साथ लाता है। ओएलएक्स इंडिया की डिजिटल पहुंच, लैंडमार्क के ग्राहक विश्वास, निरीक्षण की कठोरता, फाइनेंसिंग संबंधों और आफ्टर-सेल्स क्षमताओं के साथ मिलकर, हमें एक बहुत बड़े ग्राहक आधार को संबोधित करने का अवसर प्रदान करती है। इस विकास पर टिप्पणी करते हुए ओएलएक्स इंडिया के चेयरमैन वरुण साँघी ने कहा, ओएलएक्स इंडिया देश के अग्रणी ऑनलाइन क्लासिफाइड प्लेटफॉर्म्स में से एक है, जिस पर सालाना 2.3 करोड़ से अधिक यूज्ड कार खरीदार और विक्रेता आते हैं।

## आठवें वेतन आयोग में पुराने पेंशनरों को भी लाभ देने की मांग

**सोनभद्र (उत्तरशक्ति )।** उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था सोनभद्र के पेंशनरों ने जिलाध्यक्ष राधेश्याम शर्मा के नेतृत्व में सात सूत्रीय मांगों को लेकर प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा। पेंशनरों ने आठवें केंद्रीय वेतन आयोग में एक जनवरी 2026 से पहले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी शामिल कर पेंशन पुनरीक्षण सहित आयोग के सभी लाभ दिए जाने की मांग की। पेंशनरों ने कहा कि एक जनवरी 2026 से पहले सेवानिवृत्त पेंशनरों के पेंशन पुनरीक्षण को आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के विचारणीय विषयों में शामिल किया जाए।

साथ ही सातवें वेतन आयोग की तर्ज पर पुराने पेंशनरों को भी आठवें वेतन आयोग के सभी लाभ देने संबंधी शासनादेश जारी किया जाए। ज्ञापन में कोरोना काल में रोके गए 18 माह के महंगाई भत्ते और महंगाई राहत के बकाये का भुगतान करने की मांग भी उठाई गई। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों एवं पेंशनरों को रेल और हवाई यात्रा में पूर्व में मिलने वाली छूट बहाल करने की मांग की गई। पेंशनरों ने पेंशन राशिकरण की कटौती अवधि 15 वर्ष से घटाकर अधिकतम 11 वर्ष करने की मांग रखी। वहीं 80 वर्ष की उम्र पर मिलने वाली अतिरिक्त पेंशन के स्थान पर 65, 70 और 75 वर्ष की आयु पर क्रमशः 5, 10 और 15 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन दिए जाने की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में इं. ए.एन. सिंह, माता प्रसाद, परमानंद, रामविलास, कन्हैयालाल, सुरेश, राजेंद्र, नंद कुमार, शिवनाथ, प्रेम कुमार, देवनारायण, मोतीलाल, रामदुलारे समेत अन्य पेंशनर शामिल रहे।

## सहारनपुर में उस्तरे से गला काटकर पत्नी की हत्या

**सहारनपुर (उत्तरशक्ति)।** सहारनपुर जिले के नानौता कस्बे में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की उस्तरे से गला रेतकर निर्मम तरीके से हत्या कर दी। बाद में खुद को भी उस्तरा मारकर गंभीर रूप से घायल कर लिया। यह वारदात उस समय हुई, जब आरोपी अपनी ससुराल में एक शादी समारोह में शामिल होने आया था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के अनुसार, कैराना निवासी इरफान पुत्र उम्रदराज अपनी पत्नी गजाला के साथ नानौता में अपनी साली निलोफर की शादी समारोह में शामिल होने आया था। इसी दौरान उसने एक कमरे में अपनी पत्नी पर उस्तरे से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद इरफान ने खुद की गर्दन पर भी उस्तरे से कई वार किए। कुछ देर बाद कमरे में लोग पहुंचे तो दोनों लहूलुहान हालत में पड़े थे। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां गजाला को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल इरफान को हायर सेंटर रेफर किया गया है। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। हत्या के कारणों का अभी तक स्पष्ट रूप से पता नहीं चल पाया है और पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। इरफान को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

## कपड़े की दुकान से खरीदारी न करने पर युवक को बाजार में रोककर पीटा

**सरधना।** कस्बे के मोहल्ला हरलालपुरा निवासी युवक ने कपड़े की दुकान से खरीदारी नहीं करने पर व्यापारी पर उसे भरे बाजार में रोककर मारपीट करने का आरोप लगाया है। मारपीट में युवक घायल हो गया। घटना के बाद पीड़ित परिजनों के साथ थाने पहुंचा और आरोपी व्यापारी के खिलाफ नामजद तहरीर दी। पीड़ित आमिर पुत्र अनीस ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह सुपर मार्केट स्थित एक दुकान पर काम करता है। बृहस्पतिवार शाम बजे वह दुकान मालिक के दूसरे भाई की दुकान पर कपड़े खरीदने गया था। आरोप है कि दुकान पर उसे पुराने रखे कपड़े दिखाए गए। कपड़े पसंद नहीं आने पर उसने वहां से खरीदारी नहीं की और दूसरी दुकान से कपड़े खरीदने चला गया।

# सामाजिक न्याय और प्रतिनिधित्व की मांग को लेकर आजाद समाज पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

**सोनभद्र ( उत्तरशक्ति )।** आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) एवं भीम आर्मी के आह्वान पर गुरुवार को जिला मुख्यालय पर संपूर्ण भागीदारी आंदोलन के तहत 24 सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। आंदोलन का नेतृत्व आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष रविकांत ने किया।

ज्ञापन में एससी, एसटी, ओबीसी, महिलाओं तथा अन्य वंचित वर्गों के लिए सामाजिक न्याय, समान अवसर और उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग की गई। कार्यकताओं ने कहा कि आरक्षण सामाजिक एवं शैक्षणिक वंचना तथा अपर्याप्त प्रतिनिधित्व को दूर करने का संवैधानिक माध्यम है। इसलिए आरक्षण व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन करने और लंबित बैकलॉग पदों को शीघ्र भरने की आवश्यकता है।

ज्ञापन में महिला आरक्षण को 50 प्रतिशत करने, दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग की महिलाओं के लिए कोटे के अंदर कोटा तथा स्थानीय निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की गई। इसके साथ ही ओबीसी को लोकसभा, विधानसभा, राज्यसभा और विधान परिषद में उचित प्रतिनिधित्व देने, जाति जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम बनाने तथा उच्च न्यायपालिका में एससी, एसटी और ओबीसी का प्रभावी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई। न्यायिक नियुक्तियों के लिए उच्च न्यायिक आयोग के गठन की भी मांग की गई।

कार्यकताओं ने सरकारी सेवाओं में पदोन्नति में आरक्षण, एससी-एसटी-ओबीसी के बैकलॉग पदों को तत्काल भरने, सरकारी ठेकों एवं खरीद में आरक्षण तथा निजी क्षेत्र में उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग की। इसके अलावा मंडल आयोग की सिफारिशों को पूर्ण रूप से लागू करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही।

ज्ञापन में सफाईकर्मियों की आउटसोर्सिंग समाप्त कर स्थायी नियुक्ति, सीवर एवं सेप्टिक टैंक की सफाई में मानव प्रवेश पूरी तरह बंद करने तथा सफाईकर्मी की मृत्यु होने पर परिवार को 30 लाख रुपये मुआवजा, एक सदस्य को सरकारी नौकरी और पुनर्वास की व्यवस्था किए जाने की मांग की गई।

छात्रावासों के निर्माण, छात्रवृत्ति की व्यवस्था, मीडिया संस्थानों में वंचित वर्गों की भागीदारी तथा एससी-एसटी एक्ट के मामलों में पीड़ितों को मिलने वाली सहायता बढ़ाने की मांग भी रखी गई।

इस दौरान भीम आर्मी के जिला संयोजक संदीप कुमार, जिला प्रभारी एडवोकेट रविशंकर, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राहुल राव, विधानसभा अध्यक्ष विनोद कुमार, अमरेश, कमलेश, संतोष, दिनेश मास्टर, सोनू निगम, अरुण कुमार समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## महिला से पर्स छीनकर भागे बाइक सवार बदमाश

**गोरखपुर,जंगल कौड़िया।** पीपीगंज थाना क्षेत्र के जंगल कौड़िया चौकी अंतर्गत जीरो प्वाइंट के पास मंगलवार रात बाइक सवार दो बदमाश महिला के हाथ से पर्स छीनकर भाग गए। वारदात के बाद महिला के पति ने बदमाशों का पीछा किया, लेकिन एक मेडिकल स्टोर के पास वे तेज रफ्तार में फरार हो गए। पुलिस ने मौखिक सूचना के आधार पर जांच शुरू कर दी है। जिंदापुर निवासी रविंद्र कुमार ने बताया कि मंगलवार रात करीब 8:20 बजे वह पत्नी और बच्चों के साथ बाइक से गोरखपुर से घर लौट रहे थे। जंगल कौड़िया जीरो प्वाइंट से गांव की ओर जाने के लिए जैसे ही वह सर्विस रोड पर बाईं तरफ मुड़े, पीछे से बाइक सवार दो युवक पहुंचे। आरोप है कि पीछे बैठे युवक ने उनकी पत्नी के हाथ से झपट्टा मारकर पर्स छीन लिया और दोनों बदमाश फरार हो गए। अचानक हुई वारदात से बाइक का संतुलन बिगड़ गया। हालांकि, परिवार के लोग बाइक से गिरने से बच गए और किसी को चोट नहीं आई। इसके बाद रविंद्र ने बदमाशों का पीछा किया, लेकिन वे एक मेडिकल स्टोर के पास चकमा देकर फरार हो गए। पीड़ित ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया है। पुलिस ने बुधवार शाम तक 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पर्स में रखे मोबाइल की लोकेशन मनीराम क्षेत्र के आसपास मिली है। पुलिस लोकेशन और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश में जुटी है। पीपीगंज थाना प्रभारी राकेश रोशन सिंह ने बताया कि सूचना के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

# भारत सरकार ने भारत की बायोइकोनॉमी को आगे बढ़ाने के लिए बीसीएमएल को 75 करोड़ रुपये का बायोई3 अनुदान दिया

**मुंबई।** बालरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड (बीसीएमएल) को भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के तहत बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (बीआईआरएसी) से 75 करोड़ रुपये का अनुदान मंजूर हुआ है। यह अनुदान सरकार की महत्वाकांक्षी BioE3 ((Biotechnology for Economy, Environment & Employment) पहल के तहत 100 टीपीए पीएलए को-पॉलिमर आर एन्ड डी सुविधा स्थापित करने के लिए दिया गया है। इस अनुदान से ॲडवांस्ड बायो-बेस्ड सामग्री के विकास में तेजी आएगी, भारत की स्वदेशी बायोमैन्युफैक्चरिंग क्षमता मजबूत होगी और वैश्विक बायोइकोनॉमी के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के भारत के लक्ष्य को और बढ़ावा मिलेगा।

पायलट-स्केल आर एन्ड डी सुविधा उत्तर प्रदेश के कुंभ में स्थित बीसीएमएल के इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स में स्थापित की जाएगी। इसी जगह कंपनी भारत की पहली इंटीग्रेटेड कमर्शियल पीएलए मैन्युफैक्चरिंग सुविधा भी स्थापित कर रही है। यह नई सुविधा अगली पीढ़ी के पीएलए ग्रेड्स और को-पॉलिमर्स विकसित करने के लिए इनोवेशन इंजन के रूप में काम करेगी। इससे नए उत्पादों को तेजी से विकसित करने, तकनीक का घरेलू विकास, ग्राहकों के स्तर पर उत्पाद की जांच और सफल तकनीक को कमर्शियल उत्पादन के स्तर तक आसानी से ले जाने में मदद मिलेगी।

इस घोषणा पर बात करते हुए, बालरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक अवंतिका सराओगी ने कहा, भारत सरकार से 75 करोड़ रुपये के बायोई3 अनुदान के रूप में मिला यह समर्थन इस बात की मजबूत पुष्टि है कि भारत के भविष्य में ॲडवांस्ड बायोमैन्युफैक्चरिंग की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यह सुविधा स्वदेशी तकनीक विकसित करने, अगली पीढ़ी की बायो-बेस्ड सामग्री विकसित करने और टिकाऊ उत्पादन की दिशा में भारत को वैश्विक स्तर पर आगे ले जाने के लिए जरूरी वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमताएं विकसित करने में मदद करेगी। हमारे इस विजन पर भरोसा जताने के लिए हम डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और बीआयआरएसी के आभारी हैं। भारत को वैश्विक बायोइकोनॉमी के क्षेत्र में एक अग्रणी देश बनाने में योगदान देने के लिए हम उत्सुक हैं।

प्रयोगशाला में होने वाले रिसर्च और कमर्शियल उत्पादन के बीच की दूरी कम करने के उद्देश्य से यह सुविधा स्थापित की जाएगी। ग्राहकों की जरूरतों को समझने से लेकर नए पीएलए फॉर्म्युलेशन विकसित करने, पायलट सैंपल तैयार करने, उत्पाद की कार्यक्षमता की जांच करने और सफल तकनीक को कमर्शियल स्तर पर उत्पादन के लिए तैयार करने तक, यह सुविधा उत्पाद विकास के हर चरण में मदद करेगी। इसके अलावा, लिमिटेड सर्विस मॉडल के माध्यम से शैक्षणिक संस्थानों और रिसर्च संस्थानों के साथ सहयोग के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे भारत के बायोटेक्नोलॉजी इनोवेशन इकोसिस्टम को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

## निलंबित SHO समेत दो वांछितों पर 25-25 हजार का इनाम

**जौनपुर ( उत्तरशक्ति )।** जलालपुर थाने में दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहे दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जौनपुर पुलिस ने इनाम घोषित किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर दोनों आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया है। पुलिस के अनुसार, थाना जलालपुर में पंजीकृत मु0अ0सं0-416/2026 में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है। मामले में वांछित दिव्य प्रकाश सिंह पुत्र स्व. कृष्ण कुमार सिंह निवासी अकोई, थाना कोतवाली, मिजार्पुर और राजनरायन गिरि पुत्र बाबुलनाथ गिरि निवासी देहुआ, थाना सुरेरी, जौनपुर की गिरफ्तारी के लिए इनाम घोषित किया गया है।

दिव्य प्रकाश सिंह सुरेरी थाने के तत्कालीन थानाध्यक्ष रह चुके हैं और उन्हें पूर्व में निलंबित किया जा चुका है। यह कार्रवाई सुरेरी से जुड़े कथित वसूली और लूट के मामले में पुलिस की जांच और कार्रवाई के बीच सामने आई है। मामले में दो निलंबित पुलिसकर्मियों समेत अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। पुलिस ने आम लोगों से दोनों वांछित आरोपियों के संबंध में जानकारी मिलने पर निकटतम पुलिस थाने अथवा पुलिस को सूचना देने की अपील की है।

## मऊ से लापता ई-रिक्शा चालक का शव बलिया में मिला

**बलिया।** बलिया में उभांव थाना क्षेत्र के इंदौली गांव के पास नहर में बृहस्पतिवार को पांच दिन से लापता ई-रिक्शा चालक रणजीत कुमार (40) का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मऊ के मधुबन थाना क्षेत्र के लिलहवा धर्मपुर निवासी रणजीत 18 सितंबर की शाम सुग्गी चौरी स्थित अंडे की दुकान पर दोस्तों के साथ गया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। परिजनों की सूचना पर मधुबन पुलिस ने गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज कर तलाश शुरू की थी। मधुबन पुलिस ने रणजीत के साथ मौजूद दोस्तों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि बाइक से जुड़े करीब 22 हजार रुपये के लेन-देन को लेकर रणजीत को बेल्थरारोड ले जाया गया था। रणजीत की बाइक मरम्मत के लिए मैकेनिक के पास थी, जिस पर करीब 22 हजार रुपये खर्च आया था। परिजनों के अनुसार, उसे बाइक छुड़ाने की बात कहकर घर से बुलाया गया था। दोस्तों ने पुलिस को बताया कि इंदौली नहर के पास पहुंचने पर रणजीत अचानक नहर में कूद गया। हालांकि, परिजनों ने दोस्तों के इस बयान पर सवाल उठाते हुए हत्या की आशंका जताई। पुलिस को मामला संदिग्ध लगने पर तीन दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। उनकी निशानदेही पर इंदौली नहर में रणजीत की तलाश शुरू कराई गई।

मधुबन और उभांव पुलिस के साथ एसडीआरएफ की टीम ने नहर में तलाश अभियान चलाया। करीब दो घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद रणजीत का शव बरामद कर लिया गया।

शव मिलते ही मौके पर मौजूद परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिजन शव देखकर रोते-बिलखते रहे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मऊ भेज दिया। हिरासत में लिए गए तीनों संदिग्धों से पुलिस पूछताछ कर रही है। उभांव थानाध्यक्ष दिनेश पाठक ने बताया कि मामले में मधुबन थाने में प्राथमिकी दर्ज है। शव को मधुबन पुलिस अपने साथ ले गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह स्पष्ट होगी।

# एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर

**पटना(उत्तरशक्ति)।** भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएफआर विंग परिवर्तन के जरिए अब तक बिहार में लगभग 73 लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। एचडीएफसी बैंक 2016 से राज्य में सक्रिय है और बिहार के 38 में से 34 जिलों में काम कर रहा है, जिसमें 13 आकांक्षी जिले और 6 आकांक्षी ब्लॉक शामिल हैं।

परिवर्तन के तहत, बैंक ने छह मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है जिनमें ग्रामीण विकास, शिक्षा को बढ़ावा देना, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका में सुधार, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता और समावेशन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन शामिल है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पठान ने कहा कि एचडीएफसी बैंक में हमारा मानना है कि सीएसआर के लिए कोई एक ही तरीका सब पर लागू नहीं होता। परिवर्तन के जरिए, हम जरूरतों के हिसाब से ऐसे प्रोग्राम बनाते और लागू करते हैं जो हर इलाके की खास चुनौतियों का समाधान करते हैं।

बिहार में हमारा काम इसी सोच को दिखाता है - किसानों को टिकाऊ खेती में मदद करने से लेकर शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने तक। हम जमीनी स्तर पर सबके साथ मिलकर विकास को बढ़ावा देने और लंबे समय तक असर डालने में अपना छोटा सा योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एचडीएफसी बैंक के रीजनल हेड अभिषेक कुमार ने कहा कि बिहार में एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन का काम ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने, शिक्षा के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, रोजगार की क्षमता बढ़ाने, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। एचडीएफसी बैंक के ईस्ट ब्रांच बैंकिंग हेड अनिल खुगशाल ने कहा कि हम पूरे बिहार में बैंकिंग सेवाओं की एक पूरी रेंज देने और यह पक्का करने के लिए समर्पित हैं कि ये सेवाएँ सभी के लिए उपलब्ध हों। एक सामाजिक रूप से ज़िम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के तौर पर एचडीएफसी बैंक लोगों और परिवारों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने पर भी उतना ही ध्यान देता है। मार्च 2026 में खत्म हुए फाइनेंशियल ईयर के दौरान एचडीएफसी बैंक भारत में सबसे ज्यादा सीएसआर खर्च करने वाले बैंकों में से एक था। बैंक ने देश भर में सीएसआर प्रोग्राम्स पर 31 मार्च 2026 तक 1316 करोड़ रुपए खर्च किए थे। परिवर्तन प्रोग्राम के तहत बैंक ने देश भर में 10.77 करोड़ से ज्यादा लोगों के जीवन पर असर डाला है।

## आयुर्वेद रैली निकालकर स्वस्थ जीवनशैली का दिया संदेश

**आजमगढ़(उत्तरशक्ति)।** 11वें आयुर्वेद दिवस पर बुधवार को जिले में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद थीम के तहत विद्यार्थियों और आमजन को आयुर्वेद, स्वस्थ जीवनशैली और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति जागरूक किया गया। विद्यालयों में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने छात्र-छात्राओं को आयुर्वेद के इतिहास, महत्व और दैनिक जीवन में इसकी उपयोगिता की जानकारी दी। आयुर्वेद से जुड़ी प्रतियोगिताएं भी कराई गईं। कार्यक्रम की शुरूआत कलेक्ट्रेट परिसर से रन फॉर आयुर्वेद रैली से हुई। रैली नगर पालिका चौराहा होते हुए नगर आयुर्वेद चिकित्सालय एलवल पहुंचकर समाप्त हुई। रैली में शामिल लोगों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और आयुर्वेद को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। रैली के समापन के बाद नगर आयुर्वेद चिकित्सालय एलवल में भगवान धन्वंतरि के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम शुरू किया गया। यहां चिकित्सा एवं प्रकृति परीक्षण शिविर लगाया गया।

## मनपा आयुक्त 14 फीट से अधिक ऊंचाई वाले झोपड़ों पर संभावित कार्रवाई पर रोक लगाए

मुंबई। हाल ही में मुंबई मनपा आयुक्त की ओर से मुंबई नगर और उपनगरों में 14 फीट से अधिक ऊंचाई वाले मकानों के खिलाफ संभावित मनपा कार्रवाई की अधिसूचना जारी की गई है। गणेशोत्सव के इस मौसम में मनपा आयुक्त की ओर से जारी की गई इस अधिसूचना के कारण मुंबई की झोपड़पट्टी बाहुल्य इलाकों में रहने वाले नागरिकों में हाहाकार मच गया है। झोपड़पट्टियों में एक ही चर्चा है यदि उनके मकानों पर तोडू कार्रवाई हुई तो वे अपने परिवार को लेकर कहां जाएंगे। ऐसे में झोपड़पट्टी बाहुल्य इलाकों में रहने वाले नागरिकों की इस समस्या को संज्ञान में लेते हुए हिंदू राष्ट्र सेवा संघ महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के ने राज्य के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मनपा आयुक्त से मनपा की संभावित तोडू कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। राजा भाऊ सोनटक्के ने यह भी मांग की कि कार्रवाई से पहले उन मनपा अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए जिनके कार्यकाल में ऐसे मकान बनने दिए गए। सोनटक्के के अनुसार यदि निर्धारित ऊंचाई 14 फीट है तो वर्षों तक इससे अधिक ऊंचे मकान कैसे बनते रहे? निर्माण के दौरान निरीक्षण और नियमों का पालन सुनिश्चित करना मनपा की जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्माण अनुमति, नक्शे, निरीक्षण रिपोर्ट और नोटिस सहित संबंधित रिकॉर्ड की जांच की मांग की। उन्होंने यह भी सवाल उठाया है कि बगैर मनपा अधिकारियों की रजामंदी के झोपड़पट्टियों में कोई एक ईंट भी नहीं रख सकता है तो फिर उपनगरों के कुर्ला, मानखुर्द गोवंडी, बांद्रा,साकीनाका, मालवणी में तीन तीन, चार चार मंजिला मकान कैसे बने? सोनटक्के ने कहा कि वर्षों बाद केवल मकान मालिकों पर कार्रवाई से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार प्रभावित हो सकते हैं। जांच में अधिकारियों की लापरवाही या मिलीभगत सामने आने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

## बारिश की बूंदों में भीगती रही आस्था, रातभर गूंजता रहा जयकारा

सुरेश गांधी

सतना। आसमान से बरसती बारिश और सामने उमड़ता आस्था का सैलाब... मौसम ने जैसे आयोजन की राह में हर कदम पर परीक्षा ली, लेकिन श्रद्धा का उत्साह तनिक भी कम नहीं हुआ। बारिश की तेज धार के बीच भी भक्ति की लौ जलती रही। सुबह की आरती से शुरू हुआ सिलसिला हवन, भंडारे, सायंकालीन आरती से होता हुआ रात के जागरण तक पहुंचा तो पूरा वातावरण भक्ति के रंग में रंग गया।

सुबह आरती के साथ आयोजन स्थल पर आध्यात्मिक वातावरण बना। मंत्रोच्चार और आरती की गूंज के बीच हवन हुआ। इसके बाद बारिश ने रफ्तार पकड़ी, लेकिन श्रद्धालुओं के कदम नहीं रुके। बारिश की बूंदों के बीच भंडारा चलता रहा और हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कहीं कोई छतरी संभालता नजर आया तो कहीं लोग भीगते हुए प्रसाद की पंक्ति में अपनी बारी का इंतजार करते रहे। सेवा करने वालों के चेहरे पर थकान नहीं, बल्कि संतोष की चमक थी।

चित्रकूट से आए संत, बटुकों की मौजूदगी ने बढ़ाई गरिमा

आयोजन के बीच चित्रकूट से पधारे स्वामीजी और उनके साथ आए दर्जनों बटुकों की मौजूदगी ने धार्मिक वातावरण को और गरिमामय बना दिया। चरण पखारने से लेकर सेवा-सत्कार और आशीर्वाद लेने तक श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। वैदिक मंत्रों की ध्वनि, संतों का सान्निध्य और श्रद्धालुओं की सेवा—पूरा परिसर भारतीय सनातन परंपरा के जीवंत दृश्य में बदल गया।

सायंकालीन आरती में फिर उमड़ा सैलाब

दिनभर बारिश के बावजूद शाम ढलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ फिर बढ़ने लगी। सायंकालीन आरती में दीपों की कतारें जगमगाईं तो बारिश से भीगा वातावरण मानो और पवित्र हो उठा। आरती की लौ और बादलों के बीच चमकती बिजली का दृश्य देर तक लोगों को बांधे रहा। एक ओर प्रकृति अपने पूरे वेग में थी तो दूसरी ओर श्रद्धा अपनी पूरी ऊर्जा के साथ।

अब जागरण की रात

सायंकालीन आरती के बाद जागरण की तैयारी शुरू हुई तो आयोजन स्थल की रौनक देखते ही बन रही थी। बारिश के बीच रोशनी से नहाया परिसर, भक्ति संगीत की तैयारी और श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़—रात के जागरण के लिए माहौल तैयार था।

सतना की यह तस्वीर सिर्फ एक धार्मिक आयोजन की तस्वीर नहीं है। यह उस लोक-आस्था की तस्वीर है, जहां मौसम की बेरुखी भी श्रद्धा के उत्साह को रोक नहीं पाती। सुबह की आरती से लेकर रात के जागरण तक यहां भक्ति के साथ सेवा भी चलती रही और सेवा के साथ अपनापन भी।

बारिश के बीच आस्था की परीक्षा

सुबह आरती ? हवन ? भंडारा ? हजारों ने ग्रहण किया प्रसाद ? चित्रकूट से संत व बटुकों का आगमन ? सायंकालीन आरती ? रात में जागरण...

मौसम विभाग ने 25 सितंबर को सतना में भारी बारिश का पूवार्नुमान जताया है। इसके बावजूद धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं का उत्साह बना रहा।

## इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 के ग्रैंड फिनाले में जैकी श्रॉफ ने देव आनंद को किया याद

पटना। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 26 और 27 सितंबर को अपने दो दिवसीय ग्रैंड फिनाले के साथ समापन की ओर है। फिनाले में जैकी श्रॉफ, जज करिश्मा कपूर, जावेद जाफरी, गीता कपूर और टेरेंस लुईस के साथ नजर आएंगे। जैकी श्रॉफ अपने शुरूआती फिल्मी करियर और देव आनंद से मिले समर्थन को याद करते हुए बताएंगे कि कैसे उनके शब्द टेक इट ईजी, नया लड़का है ने उन्हें एक्शन सीक्वेंस करने का आत्मविश्वास दिया। फिनाले में टॉप 5 फाइनलिस्ट प्रथमेश माने, गीतांजलि मरवाहा, अंशिका धारा, दीपाली बोरकर और रितेश पाल ट्रॉफी के लिए अपनी अंतिम प्रस्तुतियां देंगे। करिश्मा कपूर, जावेद जाफरी, गीता कपूर और टेरेंस लुईस ने प्रतियोगियों की मेहनत, आत्मविश्वास, विकास और अपनी अलग पहचान बनाने की यात्रा की सराहना की तथा फिनाले के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

## SRIT इंडिया लिमिटेड का IPO 28 सितंबर, 2026 को खुलेगा

मुंबई। बेंगलुरु में हेडक्वार्टर वाली इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी इनेबल्ड सर्विसेज (IT/ITeS) सॉल्यूशन कंपनी, SRIT इंडिया लिमिटेड, सोमवार, 28 सितंबर, 2026 को अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO) खोलने की योजना बना रही है। इसका मकसद 218.4 करोड़ (अपर प्राइस बैंड पर) जुटाना है और शेयरों को और BSE प्लेटफॉर्म पर लिस्ट किया जाएगा। इश्यू का साइज रु. 5 फेस वैल्यू वाले 1,68,00,000 इक्विटी शेयर है, जिसका प्राइस बैंड रु.123 - रु.130 प्रति इक्विटी शेयर है।

इक्विटी शेयर का बंटवारा

नेट QIB – इश्यू का 50% से ज्यादा नहीं

NII – इश्यू का 15% से कम नहीं

व्यक्तिगत निवेशक- इश्यू का 35% से कम नहीं

IPOसे मिलने वाली नेट रकम का इस्तेमाल मौजूदा प्रोडक्ट्स के आधुनिकीकरण और रीडेवलपमेंट के लिए कैपिटल एक्सपेंडिचर की जरूरतों को पूरा करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, अज्ञात अधिग्रहणों और अन्य रणनीतिक पहलों के जरिए इनऑर्गेनिक ग्रोथ हासिल करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एंकर बिडिंग शुक्रवार, 25 सितंबर, 2026 को होगी और इश्यू सोमवार, 28 सितंबर, 2026 को खुलेगा और बुधवार, 30 सितंबर, 2026 को बंद होगा। चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर, रतिराज टिबरेवाल ने कहा, SRIT इंडिया लिमिटेड ने सरकारी संस्थाओं और कंपनियों के लिए बड़े पैमाने पर डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन प्रोजेक्ट्स को पूरा करने का शानदार ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है। 30 जून, 2026 तक, कंपनी के पास रु.12,047.17 मिलियन का बकाया ऑर्डर बुक था। वित्त वर्ष 2026 में, ऑपरेशन से रेवेन्यू रु.4,499.99 मिलियन था, जिसमें ऑपरेटिंग EBITDA रु.647.74 मिलियन और PAT रु.432.89 मिलियन था। नए इश्यू का मकसद प्रोडक्ट को आधुनिक बनाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों और रणनीतिक विकास की पहलों को सपोर्ट करना है।

## टीकाकरण से छूटे बच्चों की पहचान कर शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करें चिकित्साधिकारी: डीएम

बलरामपुर। जनपद में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा नियमित टीकाकरण का शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में होटल आदित्य इन में चिकित्साधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में नियमित टीकाकरण की माइक्रोप्लानिंग, टीकाकरण सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तथा ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस (वीएचएसएनडी) सत्रों के प्रभावी संचालन पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला में जिलाधिकारी ने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रत्येक पात्र बच्चे एवं गर्भवती महिला तक नियमित टीकाकरण सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी पात्र लाभार्थी टीकाकरण से वंचित न रहे, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रभावी रणनीति के तहत कार्य किया जाए।

जिलाधिकारी ने नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की माइक्रोप्लानिंग पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं स्वास्थ्य उपकेंद्र स्तर पर पात्र बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं की अद्यतन ड्यू लिस्ट तैयार की जाए। माइक्रोप्लान के अनुसार टीकाकरण सत्रों का आयोजन सुनिश्चित किया जाए तथा टीकाकरण से छूटे हुए एवं आंशिक रूप से टीकाकृत बच्चों की पहचान कर उनका प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण कराया जाए। उन्होंने कहा कि वीएचएसएनडी सत्र ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इन सत्रों को और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी बनाया जाए। सभी सत्रों पर ड्यू लिस्ट के अनुसार पात्र बच्चों का टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व जांच, पोषण परामर्श एवं अन्य निर्धारित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि एएनएम, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आपसी समन्वय से कार्य करते हुए प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करें। आशा कार्यकर्ताओं द्वारा टीकाकरण से पूर्व लाभार्थियों को सूचित किया जाए, जिससे निर्धारित तिथि पर अधिक से अधिक बच्चे एवं गर्भवती महिलाएं टीकाकरण सत्रों में पहुंच सकें। उन्होंने विशेष रूप से दुरस्थ एवं स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच से सीमित टीकाकरण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही चिकित्साधिकारियों को टीकाकरण सत्रों की नियमित मॉनिटरिंग, ड्यू लिस्ट के अद्यतनीकरण तथा टीकाकरण की प्रगति की निरंतर समीक्षा करने को कहा।

कार्यशाला में नियमित टीकाकरण की माइक्रोप्लानिंग एवं सुदृढ़ीकरण के विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। टीकाकरण सत्रों के प्रभावी आयोजन, लाभार्थियों की पहचान, स्वास्थ्य कर्मियों के बीच बेहतर समन्वय तथा टीकाकरण कवरेज बढ़ाने की रणनीतियों पर विशेष ध्यान दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि नियमित टीकाकरण बच्चों को विभिन्न गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने का प्रभावी माध्यम है। इसके लिए जनजागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्राम स्तर पर अभिभावकों को नियमित टीकाकरण के महत्व एवं निर्धारित टीकाकरण कार्यक्रम की जानकारी दी जाए, जिससे समुदाय की सहभागिता बढ़े और शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। उन्होंने सभी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यशाला में प्राप्त जानकारी एवं तैयार माइक्रोप्लान को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। प्रत्येक टीकाकरण सत्र की नियमित समीक्षा की जाए तथा जहां टीकाकरण की प्रगति अपेक्षाकृत कम है, वहां विशेष प्रयास किए जाएं। कार्यशाला के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मुकेश रस्तोगी व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्साधिकारी एवं संबंधित स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

## शिवसेना उत्तर भारतीय संघटना ने प्रदीप दुबे को सौंपी ईशान्य मुंबई जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी

मुंबई। मुंबई में शिवसेना उत्तर भारतीय संघटना की साप्ताहिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा के साथ उत्तर भारतीय समाज के बीच संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान संगठन के सक्रिय पदाधिकारी प्रदीप दुबे को ईशान्य मुंबई जिलाध्यक्ष की नई जिम्मेदारी सौंपी गई। वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दी गईं।

इस अवसर पर दिनेश शर्मा ने प्रदीप दुबे को बधाई देते हुए कहा कि संगठन के प्रति उनकी सक्रियता और कार्यों को देखते हुए उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदीप दुबे जमीनी स्तर पर संगठन को और मजबूत करने के साथ उत्तर भारतीय समाज के बीच संगठन की गतिविधियों को व्यापक रूप से आगे बढ़ाएंगे। बैठक में शिवसेना उत्तर भारतीय संघटना के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर गुलाब चंद दुबे, जयप्रकाश के. सिंह, राजेश सिंह, दिनेश संकपाल, क्रांति राणे एवं मंगेश मनोहर सकपाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने प्रदीप दुबे को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। प्रदीप दुबे की नियुक्ति की घोषणा के बाद कार्यकताओं में उत्साह देखा गया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनके सफल कार्यकाल की कामना करते हुए संगठन को मजबूत बनाने में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

## नेपाल सीमा पर विशेष सतर्कता बरतने एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने के निर्देश

बलरामपुर। जनपद में अवैध शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी, बिक्री एवं सेवन पर प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में एनकॉर्ड की बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने अवैध शराब एवं अन्य मादक पदार्थों के विरुद्ध विशेष प्रवर्तन अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री एवं तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। नशीले पदार्थों की बिक्री एवं तस्करी से संबंधित सूचनाएं प्राप्त करने के लिए स्थानीय स्तर पर सूचना तंत्र को मजबूत किया जाए तथा प्राप्त इनपुट के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने आबकारी एवं पुलिस विभाग को संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाकर अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन एवं बिक्री के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए।

जनपद की नेपाल से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी एवं सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्र में नशीले पदार्थों की संभावित तस्करी एवं अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए पुलिस, आबकारी एवं संबंधित सुरक्षा एजेंसियों के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित किया जाए। सीमावर्ती क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाए तथा प्राप्त सूचनाओं पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

जिलाधिकारी ने युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए जनपद के विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में विशेष नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामाजिक जीवन पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाए। विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रमों, संवाद एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि नशीले पदार्थों की रोकथाम केवल प्रवर्तन कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि व्यापक जनजागरूकता के माध्यम से समाज, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने की दिशा में भी प्रभावी कार्य किया जाए।

बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से विशेष अभियान संचालित करने, नियमित निगरानी रखने तथा अवैध शराब एवं नशीले पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, अपर पुलिस अधीक्षक व अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

## मनबा फाइनेंस प्रेफरेंशियल इश्यू से जुटाएगी 99.99 करोड़ रुपये

मुंबई। मनबा फाइनेंस लिमिटेड एक विविधीकृत, बहु-उत्पाद एनबीएफसी ने आज घोषणा की है कि उसके निदेशक मंडल ने प्रतिभूतियों के प्रेफरेंशियल इश्यू के जरिए 99.99 करोड़ रुपये एकत्रित करने की मंजूरी दे दी है। यह इश्यू कंपनीज एक्ट, 2013 और सेबी विनियम, 2018 के तहत किया जाएगा। यह शेयरधारकों के अनुमोदन और अन्य आवश्यक विनियामक स्वीकृतियों के अधीन है। इस इश्यू के तहत नॉन-प्रमोटर निवेशकों के लिए 67.50 करोड़ रुपये की इक्विटी शेयर और प्रमोटर समूह के लिए 32.49 करोड़ रुपये की प्रतिभूति वारंट का वादा किया गया है। इस राउंड में कई प्रतिष्ठित निवेशकों और फैमिली ऑफिसों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है, जिनमें जाने-माने भारतीय व्यवसाय समूहों, निवेश फंड और हाई नेट-वर्थ वाले व्यक्तियों के फैमिली ऑफिस शामिल हैं। यह भागीदारी मनबा के व्यवसाय मॉडल, कार्य निष्पादन के ट्रैक रिकॉर्ड और रिटेल लेंडिंग में दीर्घकालिक अवसरों पर उनके बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। प्रमोटर समूह, मनबा इन्वेस्टमेंट्स एंड सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड और मनीष के. शाह के जरिए, 32.49 करोड़ रुपये का वारंट खरीदेगी। यह इस राउंड की सबसे बड़ी एकल निवेश प्रतिबद्धता होने के साथ-साथ मनबा के दीर्घकालिक संभावनाओं पर प्रमोटरों के भरोसे का प्रमाण भी है। जुटाई गई इस रकम से कंपनी का पूंजीगत आधार मजबूत होगा और दु-पहिया, तीन-पहिया, इलेक्ट्रिक वाहनों, पुरानी कार, व्यक्तिगत ऋण, छोटे व्यवसायों के लिए ऋण और माइक्रो-एलएपी जैसे उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। इससे नए इलाकों में व्यवसाय के विस्तार और कॉर्पोरेट के सामान्य कार्यों में भी मदद मिलेगी। इस कदम से न केवल मनबा का बैलेंस शीट मजबूत होगा बल्कि प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियों को बढ़ाया जा सकेगा, ऋण आधार के विविधीकरण, बेहतर क्रेडिट रेटिंग व कम फंडिंग लागत की दिशा में काम करने का मौका भी मिलेगा।

मनीष के. शाह, मैनेजिंग डायरेक्टर, मनबा फाइनेंस लिमिटेड ने कहा, यह फंडरेज मानबा के व्यवसाय मॉडल, हमारे अंडरराइटिंग अनुशासन और उस फ्रैंचाइजी की मजबूत स्थिति को दशार्ता है जिसे हमने एक दशक से भी अधिक समय में खड़ा किया है। इतने बड़े स्तर के निवेशकों का साथ और प्रमोटर समूह की प्रतिबद्धता के कारण हमें तेजी से बढ़ने, मौजूदा बाजारों में अपनी पैठ गहरी करने और ऐसे अनेकों ग्राहकों को सेवा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक पूँजी और आत्मविश्वास प्राप्त होगा, जो अब तक औपचारिक ऋण सुविधाओं से वंचित हैं।

## चेंबूर सदिच्छा मित्र मंडल की झांकी आकर्षण का केंद्र बनी

मुंबई। सदिच्छा मित्र मंडल( रजि. )की तरफ से 41वें वर्ष में चेम्बूर के नटराज सिनेमा के सामने बनाया गया सार्वजनिक गणेश मंडप की झांकी चेम्बूर परिसर में चर्चा का विषय बना हुआ है.गणपति बप्पा के साथ भगवान श्रीकृष्ण और उनके साथी ग्वाल बाल यशोदा मैया की प्रतिमा गणेश भक्तों का मन मोह लेती है.और तो और कालिया नाग के भयंकर फन पर नृत्य करते हुए श्रीकृष्ण को देखकर बच्चे सहम जा रहे हैं.इसके अतिरिक्त खेत में हल जोतता किसान का चित्र अपना देश कृषि प्रधान देश है यह सिद्ध करने के लिए काफी है. चित्रकार प्रकाश धामणसकर की कलाकारी देखने के लिए गणेश भक्तों की कतार सुबह के 7 बजे से रात के 12 बजे तक मंडप के बाहर लगी रहती है. इसके संस्थापक सहदेव तलवटकर और स्व. अमृतलाल गुप्ता हैं जबकि अध्यक्ष विजय सकलदेव सिंह ठाकुर कार्याध्यक्ष राम आसरे गुप्ता और अनिरुद्ध रामराजे हैं.पुजारी शेखर देवाडिगा सचिव अनिल काम्बले तथा विक्की भालदारे कोषाध्यक्ष काशीनाथ दाभाड़े और रमेश जाधव के अलावा उपाध्यक्ष नंदकुमार माने व रमेश पाटिल और किशोर बारस्कर को मंडल का सलाहकार बनाया गया है.इस मंडल की खूबी देखकर मुंबई महानगर पालिका ने स्व.ठाकुर सकलदेव सिंह की अध्यक्षता में पुरस्कृत कर चूकि है.लेकिन अब यह देखना काफी दिलचस्प होगा की विजय सकलदेव सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में इस साल 2026 की सादिच्छा मित्र मंडल की गणपति को महानगर पालिका पुरस्कार की किस श्रेणी में रखती है।

## इंडस टावर्स की सीएसआर पहलों ने वित्तीय वर्ष 26 के दौरान देश भर में 33.88 मिलियन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न किया

दिल्ली। आज के दौर में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर लाखों लोगों को जोड़ रहा है, इस बीच सही मायनों में प्रगति तभी हो सकती है जब हम एक समान रूप से क्षमता विकसित करें। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हर व्यक्ति को भारत के विकास की कहानी में योगदान देने के लिए जरूरी अवसर, कौशल और संसाधन मिलें, फिर चाहे वह किसी भी स्थान, लिंग या सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखता हो। इंडस टावर्स लिमिटेड, अपने सीएसआर प्रोग्राम, सक्षम और प्रगति के जरिए, इसी दृष्टिकोण में योगदान दे रहा है। वित्तीय वर्ष 26 के दौरान कंपनी ने 33.88 मिलियन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न किया है और देश भर में कुल 90 मिलियन लोगों तक पहुँच बनाई है। कंपनी के सीएसआर प्रयासों पर बात करते हुए, इंडस टावर्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ प्रचुर साह ने कहा, भारत की विकास यात्रा असल में तभी बदलावकारी हो सकती है जब समावेशी एवं प्रतिभागी विकास को सुनिश्चित किया जाए। इंडस टावर्स में, हमारा मानना है कि स्थायी प्रगति एक समान क्षमता से होती है। इसके लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि हर व्यक्ति को अपनी क्षमता को पहचानने के लिए जरूरी अवसर, संसाधन और सहयोग मिले। अपने सीएसआर प्रोग्राम के जरिए, हम समुदाय को ज्ञान, कौशल और अवसरों के साथ सशक्त बनाना चाहते हैं। हम उन्हें भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक प्रगति में अर्थपूर्ण योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। समुदाय, इम्प्लीमेंटेशन पार्टनर और सरकारी संस्थानों के साथ मिलकर काम करते हुए हम ऐसा स्थायी प्रभाव उत्पन्न करना चाहते हैं जो प्रत्यास्थता और समावेशन को बढ़ावा दे और राष्ट्र-निर्माण में योगदान दे। आने वाले समय में भी हम अपनी पहुंच बढ़ाने और अधिक समावेशी, सशक्त और भविष्य के लिए तैयार भारत की दिशा में अपने योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ये राष्ट्रीय विकास की प्राथमिकताओं और सरकार की बड़ी पहलों के साथ जुड़े हैं, जिनमें डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया मिशन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020, पीएम ई विद्या, और एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स प्रोग्राम शामिल हैं। साथ ही ये यूएन के कई सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में भी योगदान दे रहे हैं। इन प्रयासों के जरिए, इंडस टावर्स राष्ट्रीय उम्मीदों को बुनियादी स्तर पर सार्थक नतीजों में बदलने में मदद करता है।

## सनातन थीम की टाउनशिप विकसित करने पर निवेशक करें विचार : रविंद्र जायसवाल

मुंबई। मुंबई के सहारा स्टार होटल में उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट फोरम (यूपीडीएफ) की ओर से यूपी डायस्पोरा के लिए उत्तर प्रदेश में सनातन का अर्थशास्त्र विषय पर विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के स्टाम्प, पंजीयन एवं कोर्ट फी विभाग के स्वतंत्र प्रभार मंत्री रविंद्र जायसवाल ने निवेशकों से सनातन संस्कृति और सस्टेनेबिलिटी की अवधारणा पर आधारित टाउनशिप विकसित करने की दिशा में विचार करने का आह्वान किया।

मंत्री रविंद्र जायसवाल ने कहा कि आज पूरी दुनिया सनातन जीवन पद्धति और सस्टेनेबिलिटी की ओर आकर्षित हो रही है। ऐसे में निवेशकों को सनातन थीम पर आधारित टाउनशिप विकसित करने की संभावनाओं पर विचार करना चाहिए। ऐसी टाउनशिप में समान जीवन मूल्यों और सामाजिक वातावरण वाले लोग एक साथ रह सकेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में व्यापक सुधार हुआ है। स्टाम्प कानूनों में आपसी रिश्तेदारों तथा किरायेदारी से जुड़े अनुबंधों पर शुल्क को न्यूनतम किए जाने से लोगों को संपत्ति संबंधी प्रक्रियाओं में सुविधा मिली है और संपत्ति विवादों में भी कमी आई है।

जायसवाल ने स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग में किए गए विभिन्न सुधारों की जानकारी देते हुए कहा कि संपत्ति के स्वामित्व का सत्यापन किए बिना उसके हस्तांतरण की प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। उन्होंने दावा किया कि स्टाम्प शुल्क में कई स्तरों पर राहत दिए जाने के बावजूद विभाग से होने वाली राजस्व आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश का वातावरण बेहतर हुआ है और पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से कई सुविधाएं और सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने प्रवासी उत्तर भारतीयों से प्रदेश में निवेश की संभावनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के संयोजक एवं यूपीडीएफ के

चेयरमैन पंकज जायवसल ने कहा कि पिछले वर्षों में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पंकज जायसवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश तेजी से सनातन पर्यटन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है और इससे आने वाले समय में निवेश की नई संभावनाएं पैदा होंगी।

सामाजिक कार्यों के लिए हुआ सम्मान

कार्यक्रम के दौरान आरटीआई एक्टिविस्ट अनिल गलगली के सामाजिक आंदोलनों तथा शुभ्रांशु दीक्षित द्वारा 3,500 से अधिक श्रद्धालुओं को काशी की निःशुल्क यात्रा कराने के प्रयासों के लिए मंत्री रविंद्र जायसवाल ने दोनों का शॉल श्रीफल देकर सम्मान किया।

कार्यक्रम के धन्यवाद प्रस्ताव में वरिष्ठ पत्रकार राजीव रंजन ने यूपीडीएफ के विभिन्न सामाजिक एवं प्रवासी संपर्क अभियानों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि संगठन मॉरीशस और सूरीनाम सहित विभिन्न देशों में कई पीढ़ियों पहले जाकर बसे गिरमिटिया भारतीयों को उनकी जड़ों और विरासत से जोड़ने का कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में इन्वेस्ट यूपी मुंबई चैप्टर के महाप्रबंधक रथीश नायर और उप महाप्रबंधक उज्ज्वल सैनी ने भी प्रवासी निवेशकों के साथ संवाद किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं, सरकार की ओर से उपलब्ध सुविधाओं और निवेशकों को प्रदेश से जोड़ने के प्रयासों की जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन यूपीडीएफ की ओर से शुभ्रांशु दीक्षित ने किया। उन्होंने मुंबई से काशी के लिए 11,000 लोगों को निःशुल्क यात्रा कराने का संकल्प भी व्यक्त किया। इस अवसर पर चित्रसेन सिंह ने उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित अपने प्रोजेक्ट और सरकार से अपेक्षित सहयोग के बारे में जानकारी साझा की। कार्यक्रम में बेलिफ फाउंडेशन के संस्थापक जयनारायण तिवारी, बीवीजी ग्रुप से प्रशांत, पृथ्वी ग्रुप से जनार्दन यादव, कोरियन इंडस्ट्री के सलाहकार अमित नारायण, उद्योजक कृष्ण कांत (के के)तिवारी टेकस्किल से राजन मट्टा, अमेरिकी कंपनी एवॉक्स के चेयरमैन अरविंद शर्मा, इन्वेस्टमेंट बैंकर अखंड सिंह, सुनील राजदेव सिंह सहित बड़ी संख्या में प्रवासी निवेशकों ने भाग लिया और उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर अपने विचार रखे।